www.tamsasanket.com

वर्षः 06 || अंक 43 || लखनऊ

बुधवार

13 मई 2026 || पृष्ठः 04 || मूल्यः ₹ 2

आज़ादी का अमृत महोत्सव

समूह संपादक- डॉ. ओ.पी. मिश्रा

https://epaper.tamsasanket.com

दैनिक तमसा संकेत

लखनऊ व अम्बेडकर नगर से एक साथ प्रकाशित

» डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र

मौसम
सूर्योदयः 05:20
सूर्यास्तः 06:45
अधिकतमः 38°00
न्यूनतमः 27°00

विशेष समाचार | मोदी के राष्ट्रहित के आह्वान में भी... » पेज 02 | राजधानी के विकास को 169 करोड़... »पेज 04 | अल्लू अर्जुन की प्रॉपर्टी कहे...

फास्ट न्यूज

कलकत्ता हाईकोर्ट की बेंच आरजी-कर केस की सुनवाई से हटी

नई दिल्ली। कलकत्ता हाईकोर्ट में आरजी कर रेप-मर्डर केस की सुनवाई कर रही बेंच ने खुद को मामले से अलग कर लिया। जस्टिस राजा शेखर मंथा और जस्टिस राय चट्टोपाध्याय ने मंगलवार को सुनवाई के दौरान कहा कि दूसरे मामलों की वजह से हम इस केस को समय नहीं दे पा रहे हैं।

बंगाल के पूर्व मंत्री सुजीत को ईडी ने गिरफ्तार किया

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के पूर्व मंत्री और TMC नेता सुजीत बोस को कोर्ट ने मंगलवार को 10 दिन की प्रवर्तन निदेशालय (ED) की कस्टडी में भेजा है। ED ने बोस को नगर निगम भर्ती घोटाले में सोमवार को गिरफ्तार किया था।<सुजीत अपने बेटे समुद्र बोस के साथ सोमवार सुबह करीब 10:30 बजे ED ऑफिस पहुंचे थे। उनसे करीब 10 घंटे पूछताछ की गई, फिर रात को गिरफ्तार कर लिया गया था। सुजीत बोस पर 2014-2018 के बीच साउथ दमदम नगर निगम में करीब 150 लोगों की अवैध भर्ती कराने का आरोप है।

कहा जाता है कि सुजीत ने इसके बदले पैसे और फ्लैट लिए थे। सुजीत उस वक्त दमदम नगर पालिका के उपाध्यक्ष थे।

आरएसएस महासचिव बोले- पाकिस्तान से बातचीत, वीजा सर्विस जारी रखें

नई दिल्ली। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के राष्ट्रीय महासचिव दत्तात्रेय होसबाले ने कहा कि भारत को पाकिस्तान के साथ बातचीत के दरवाजे पूरी तरह बंद नहीं करने चाहिए। दोनों देशों को एक-दूसरे को वीजा भी देना चाहिए। खेलकूद और व्यापार भी होना चाहिए। लेकिन पुलवामा जैसे हमले का जवाब भी मजबूती से देना होगा। न्यूज एजेंसी PTI के CEO विजय जोशी को दिए इंटरव्यू में होसबाले ने कहा कि भारत और पाकिस्तान के बीच सांस्कृतिक संबंध पुराने हैं और हम एक ही राष्ट्र रहे हैं।

उदयनिधि स्टालिन बोले यह लोगों को बांटता है, पहले डेंगू-मलेरिया बताया था

'सनातन धर्म को खत्म किया जाना चाहिए'

बयान

तमसा संकेत, एजेंसी

चेन्नई। तमिलनाडु के पूर्व डिप्टी CM उदयनिधि स्टालिन ने मंगलवार को विधानसभा में कहा कि सनातन धर्म को खत्म किया जाना चाहिए। यह लोगों को बांटता है। उन्होंने पहले 2023 में भी सनातन को डेंगू, मलेरिया बताया था। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने मार्च 2025 में सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें फटकार लगाई थी। उदयनिधि ने विजय के शपथ ग्रहण समारोह का मुद्दा उठाते हुए आरोप लगाया कि तमिलनाडु के पारंपरिक तमिल आह्वान गीत 'तमिल थाई वाझथु' को कार्यक्रम में तीसरे स्थान पर रखा गया।

» (शेष पेज 04 पर)

विधानसभा में उदयनिधि की स्पीच के दौरान विजय भी मौजूद थे। हालांकि उन्होंने इस पर कोई रिएक्शन नहीं दिया।

सुप्रीम कोर्ट ने 4 मार्च 2025 को उदयनिधि स्टालिन को फटकार लगाई थी। सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि स्टालिन ने अधिकारों का गलत इस्तेमाल किया है। स्टालिन कोई आम आदमी नहीं है। उन्हें बयान के नतीजों के बारे में सोचना चाहिए था।

टीवीके कार्यकर्ता को पोस्टर-बैनर न लगाने के निर्देश

पार्टी के X हैंडल पर एक पोस्ट में सदस्यों के लिए नया निर्देश जारी किया गया है। इसमें कहा गया है- TVK की स्थापना सिर्फ तमिलनाडु के लोगों की भलाई के मकसद से की गई थी। इसलिए, कोई भी पार्टी साथी जन्मदिन, पारिवारिक कार्यक्रमों पर कहीं भी बैनर, पोस्टर नहीं लगाएगा।

सड़कों, पब्लिक प्लेस जहां लोग बड़ी संख्या में इकट्ठा होते हों, ऐसे तरीकों से जिससे लोगों की आवाजाही, ट्रैफिक में रुकावट आए और आम लोगों को परेशानी हो। कोई भी ऐसे किसी भी जश्न में शामिल नहीं होगा जिससे लोगों को किसी भी तरह से रुकावट हो।

राज्य के नौवें सीएम विजय ने विधानसभा में पहली स्पीच दी।

विजय ने अपने ज्योतिषी को ओएसडी बनाया

राज्य सरकार के लोक विभाग ने रिकी राधन पंडित वेट्रिवेल को मुख्यमंत्री विजय के राजनीतिक मामलों के विशेष कार्य अधिकारी के रूप में नियुक्त किया है। रिकी ने ही विजय के CM बनने की भविष्यवाणी की थी। उनके शपथ ग्रहण का समय भी बदलवाया था। सेतुपति मद्रास HC के आदेश के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट पहुंचे- TVK सरकार को 13 मई को फ्लोर टेस्ट देना है। इससे पहले मद्रास हाईकोर्ट ने TVK विधायक आर श्रीनिवास सेतुपति को विश्वास प्रस्ताव समेत किसी भी वोटिंग में हिस्सा लेने से रोक दिया।

महाराष्ट्र के सांगली में आंधी बारिश से दीवार गिरी, 6 मौतें

मानसून 4-6 दिन पहले आने का अनुमान

चेतावनी

तमसा संकेत, एजेंसी

भोपाल/लखनऊ। महाराष्ट्र के सांगली जिले में मंगलवार शाम को तेज बारिश और आंधी के बीच एक मंदिर की दीवार गिरने से बड़ा हादसा हो गया। हादसे में 6 लोगों की मौत हो गई, जबकि 12 से 14 लोग घायल बताए जा रहे हैं।

मौसम विभाग के अनुसार, देश में मानसून तय समय से 4 दिन पहले दस्तक दे सकता है। आमतौर पर केरल में मानसून 1 जून तक पहुंचता है, लेकिन इस बार 25 से 27 मई के बीच केरल तट पर पहुंचने की संभावना है। इधर, यूपी-बिहार समेत 5 राज्यों में आंधी-बारिश का अलर्ट है। बिहार और उत्तराखंड के सभी जिलों में बारिश हो सकती है। वहीं, उत्तर प्रदेश के 38 जिलों में बारिश की संभावना है। हिमाचल प्रदेश के कुल्लू में आंधी-तूफान और बारिश से 5 घरों और 7 गोशालाओं की छतें उड़ गईं।

» (शेष पेज 04 पर)

राजस्थान के बाड़मेर में 47.3 डिग्री सेल्सियस पारा

केंद्रीय मंत्री बंदी संजय के बेटे पर पॉक्सो केस

नाबालिग से सेक्सुअल हैरेसमेंट का आरोप

आरोप

तमसा संकेत, एजेंसी

हैदराबाद । भाजपा सरकार में केंद्रीय मंत्री बंदी संजय कुमार के 25 साल के बेटे साई भागीरथ पर 17 साल की एक लड़की के सेक्सुअल हैरेसमेंट का आरोप लगा है। नाबालिग की मां ने 8 मई को तेलंगाना के हैदराबाद में POCSO एक्ट के तहत उनके खिलाफ केस दर्ज कराया था।

भागीरथ ने 12 मई को तेलंगाना हाईकोर्ट का रुख किया। उन्होंने अग्रिम जमानत के साथ-साथ अपने खिलाफ दर्ज आपराधिक मामला रद्द करने की मांग की है। उन्होंने आरोप लगाया है कि महिला ने बेटी के जरिए उन्हें हनी ट्रैप में फंसाने की कोशिश की।

नाबालिग से सात-आठ महीने से संपर्क में थे भागीरथ

दरअसल, नाबालिग की मां का आरोप है कि भागीरथ उनकी बेटी के साथ रिलेशनशिप में था और इस दौरान उसका यौन उत्पीड़न किया।

» (शेष पेज 04 पर)

तमिलनाडु सीएम विजय विधायक षणमुगम के ऑफिस पहुंचे

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री और TVK चीफ विजय मंगलवार को AIADMK विधायक सीवी षणमुगम के ऑफिस पहुंचे। उन्होंने पार्टी के बागी विधायकों से मुलाकात की। इस दौरान AIADMK विधायक एसपी वेलुमणि भी मौजूद रहे। षणमुगम और वेलुमणि ने AIADMK के कई विधायकों के साथ विजय की सरकार को समर्थन देने की घोषणा की है। षणमुगम ने पार्टी प्रमुख ईके पलानीस्वामी पर DMK के समर्थन से सरकार बनाने की कोशिश करने का आरोप लगाया।

उन्होंने मीडिया से बात करते हुए कहा- AIADMK की स्थापना DMK का विरोध करने के लिए हुई थी। हम DMK से जुड़ते तो खत्म हो जाते। सूत्रों के मुताबिक करीब 30 विधायक बागी खेमे में हैं। AIADMK ने 164 सीटों पर चुनाव लड़ा था, लेकिन सिर्फ 47 सीटें जीत सकी।

निगरानीः सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के लिए लगाए जाएंगे कैमरे और लाइटें

अकबरपुर नगर पालिका हुआ 'सेफ सिटी' योजना में शामिल

नगर पालिका की अधिशासी अधिकारी बीना सिंह ने बताया कि बजट प्राप्त होते ही इस योजना पर कार्य शुरू कर दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि सेफ सिटी योजना के लागू होने से अकबरपुर नगर क्षेत्र की सुरक्षा व्यवस्था अधिक मजबूत और आधुनिक होगी।

बृजेंद्र वीर सिंह

तमसा संकेत, अंबेडकरनगर। अकबरपुर नगर पालिका को 'सेफ सिटी' योजना में शामिल किया गया है। इस योजना के तहत शहर की सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के लिए व्यापक स्तर पर तकनीकी सुविधाएं विकसित की जाएंगी। शहर के 12 प्रमुख स्थानों पर 25 सीसीटीवी कैमरे, 48 साउंड सिस्टम और 50 स्ट्रीट लाइटें लगाने की योजना तैयार की गई है।

» (शेष पेज 04 पर)

कंट्रोल रूम से होगी पूरे शहर की निगरानी

नगर पालिका में एक आधुनिक कंट्रोल रूम स्थापित किया जाएगा। यहां से पूरे शहर की निगरानी की जाएगी। कंट्रोल रूम के माध्यम से यातायात व्यवस्था, नो-पार्किंग और अतिक्रमण पर नजर रखी जाएगी।

इसके साथ ही नियम तोड़ने वालों को चेतावनी देने की भी व्यवस्था होगी। कैमरों और साउंड सिस्टम का संचालन वाईफाई आधारित तकनीक से किया जाएगा।

प्रमुख स्थानों पर होगी निगरानी

सीसीटीवी कैमरे और साउंड सिस्टम कटरिया याकूबपुर, काशीराम आवास, गौहन्ना बाईपास, दोस्तपुर रोड, पटेल नगर और चुंगी नाका सहित अन्य प्रमुख स्थानों पर लगाए जाएंगे। इन स्थानों को चिन्हित कर निगरानी व्यवस्था को मजबूत बनाने की तैयारी की जा रही है, ताकि शहर में होने वाली गतिविधियों पर नजर रखी जा सके।

एनटीए ने माना- हम जिम्मेदार, सवाल पूछने पर बिना जवाब दिए निकले शिक्षा मंत्री प्रधान

नीट का पेपर लीक परीक्षा रद्द

फैसला

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली । पेपर लीक के आरोपों के बीच नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (NTA) ने मंगलवार को NEET (UG) 2026 परीक्षा रद्द कर दी है। यह परीक्षा 3 मई को हुई थी। 22.79 लाख स्टूडेंट्स ने परीक्षा दी थी। NTA डीजी अभिषेक सिंह ने कहा- इस गड़बड़ी के लिए हम जिम्मेदार हैं। परीक्षा दोबारा कराई जाएगी। 6 से 8 दिन में नई तारीख का ऐलान होगा।

उधर, केंद्र सरकार ने इस मामले की जांच CBI को सौंप दी है। एजेंसी ने मामले में एफआईआर दर्ज की है। NTA ने बताया कि भारत सरकार की मंजूरी मिलने के बाद परीक्षा को रद्द करने का फैसला लिया गया।

वहीं शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान से दिल्ली में इस मामले में मीडिया ने सवाल पूछा तो वह बिना कुछ बोले निकल गए। NEET का पेपर 'क्वेश्चन बैंक' के जरिए लीक किया गया। इसमें फिजिक्स, केमिस्ट्री और बायोलॉजी के 300 से ज्यादा सवाल थे। ये सभी हाथ से लिखे गए और इनकी हैंडराइटिंग भी एक ही थी। जांच एजेंसी पता लगा रही हैं कि आखिर यह पेपर लीक कहां से हुआ। हालांकि, इसका खुलासा राजस्थान के सीकर से हुआ।

7 मई की रात हमें एक व्हिसल-ब्लोअर के जरिए जानकारी मिली थी कि परीक्षा होने से पहले किसी व्यक्ति को व्हाट्सऐप पर कुछ सवाल भेजे गए थे, जो परीक्षा के सवालों से मेल खा रहे थे।"हमारी जिम्मेदारी थी कि इन आरोपों की जांच करें और यह पता लगाएं कि क्या ये PDF 3 मई यानी परीक्षा के दिन से पहले किसी के पास मौजूद थीं। जांच में पाया गया कि कुछ सवाल हमारे प्रश्नपत्र से मेल खाते थे।

» (शेष पेज 04 पर)

नीट एग्जाम रद्द हो गया। 22 लाख से ज्यादा छात्रों की मेहनत, त्याग और सपनों को भ्रष्ट भाजपाई व्यवस्था ने कुचल दिया। प्रधानमंत्री का अमृतकाल, देश के लिए विषकाल बन गया है।

- राहुल गांधी कांग्रेस नेता

राहुल बोले- पीएम का अमृतकाल, विषकाल बन गया

राहुल ने अपने एक और X पोस्ट में लिखा- देश के युवाओं के सामने एक गंभीर बात रखना चाहता हूं। एक काम कीजिए खुद गूगल कीजिए और देखिए की NEET 2024 की भयंकर चोरी के दौरान NTA का DG कौन था, और मोदी सरकार ने उसे आज कहां बैठाया है? राहुल ने आरोप लगाया कि भाजरा विद्यार्थियों के भविष्य से खिलवाड़ करने वालों को इनाम देती है, तरक्की देती है।

» (शेष पेज 04 पर)

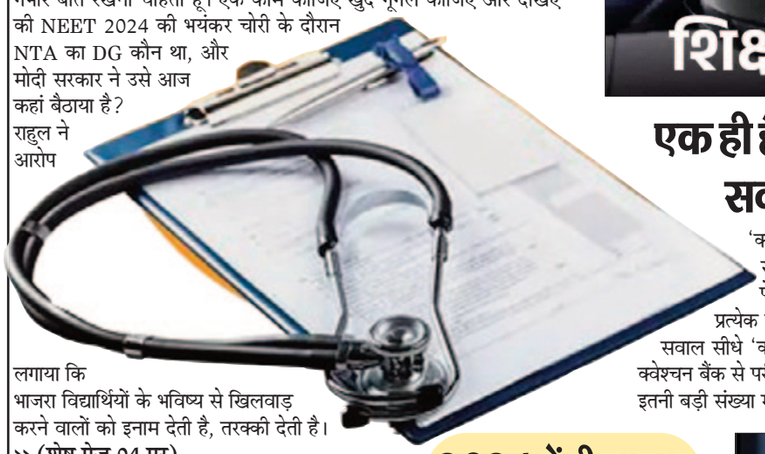

नीट मामले में एनटीए के 6 फैसले

1 नीट-यूजी की परीक्षा दोबारा होगी।
2 छात्रों को फिर से एप्लाई नहीं करना होगा।
3 कोई अतिरिक्त परीक्षा शुल्क भी नहीं लिया जाएगा।
4 पहले से जमा फीस वापस की जाएगी।
5 नए एडमिट कार्ड जारी करने का शेड्यूल जल्द जारी किया जाएगा।
6 एग्जाम सेंटर नहीं बदले जाएंगे।

एक ही हैंडराइटिंग में लिखे 300+ सवाल, 150 परीक्षा में आए

'क्वेश्चन बैंक' में फिजिक्स, केमिस्ट्री और बायोलॉजी के 300 से ज्यादा सवाल थे। इसमें से 150 सवाल हूबहू NEET के पेपर में आए। पेपर में कुल 180 सवाल हल करने होते हैं और प्रत्येक सवाल 4 अंक का होता है। यानी 720 में से 600 नंबर के सवाल सीधे 'क्वेश्चन बैंक' से आए। एक्सपर्ट्स के अनुसार किसी विशेष क्वेश्चन बैंक से परीक्षा में कुछ सवाल हूबहू आने की संभावना रहती है, लेकिन इतनी बड़ी संख्या में प्रश्न आने की संभावना आमतौर पर नहीं होती।

2024 में भी हुआ था पेपरलीक, सुप्रीम कोर्ट पहुंचा था

2024 में भी NEET UG परीक्षा पेपर लीक के चलते कुछ सेंटर्स पर रद्द कर दी गई थी। परीक्षा 5 मई 2024 को हुई थी। 6 मई को NTA ने पेपर लीक की बात से इनकार किया था। इसके बाद बिहार (पटना) और झारखंड (हजारीबाग) में जांच हुई। जांच में पेपर लीक के सबूत मिले और कई गिरफ्तारियां भी हुईं थीं।

» (शेष पेज 04 पर)

'क्वेश्चन बैंक' हाथ से लिखे गए हैं और इनकी हैंडराइटिंग भी एक ही है।

नीट से जुड़े 7 विवाद

2013: सिंगल मेडिकल प्रवेश परीक्षा के रूप में शुरू। मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंचा। कोर्ट ने असंवैधानिक बताकर रद्द कर दिया।

2016: सुप्रीम कोर्ट ने फैसला वापस लिया। नीट को फिर लागू किया। परीक्षा दो चरणों में हुई।

2017: तमिलनाडु में स्टूडेंट एस अनिता ने आत्महत्या कर ली। विरोध प्रदर्शन हुए। राज्य सरकार ने खुद की परीक्षा कराने की मांग रखी।

2019: कई छात्रों पर फर्जी उम्मीदवारों से परीक्षा दिलवाने का आरोप लगा। जांच में कई लोग गिरफ्तार हुए।

2020: कोविड-19 के दौरान परीक्षा कराने का देशभर में विरोध हुआ, लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने परीक्षा की अनुमति दी।

2022: कुछ छात्राओं ने आरोप लगाया कि परीक्षा केंद्र में प्रवेश से पहले उन्हें मेटल हुक वाले इनरवियर उतारने का कहा गया।

2024: नीट-यूजी में 67 छात्रों ने 720/720 अंक पाए। पेपर लीक और ग्रेस मार्क्स पर विवाद हुआ। मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंचा, लेकिन कोर्ट ने री-टेस्ट से इनकार किया।

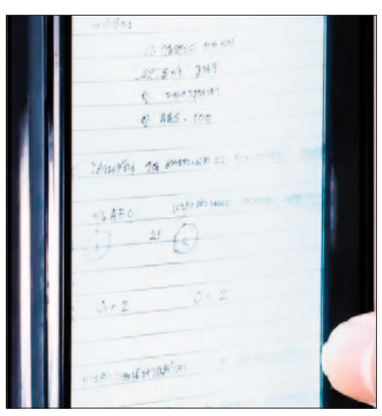

कितने छात्रों को 'क्वेश्चन बैंक' मिला यह तय नहीं

अब तक यह आंकड़ा तो सामने नहीं आया है कि कथित 'क्वेश्चन बैंक' कितने छात्रों तक पहुंचा, लेकिन यह संख्या बड़ी होने की आशंका है। दरअसल, जिन लोगों को ये वॉट्सएप पर यह मिला, उसमें मैसेज के साथ 'फॉरवर्डेड मेनी टाइम्स' लिखा आ रहा है। अब इसके तार केरल, राजस्थान, महाराष्ट्र तक जुड़ रहे हैं। नासिक पुलिस ने बताया कि नीट पेपर लीक मामले में यहां युवक को हिरासत में लिया गया है। राजस्थान पुलिस की एक टीम यहां पहुंचने वाली है। इस बीच, सूत्रों ने दावा किया है कि आरोपी फिलहाल BAMS की पढ़ाई कर रहा है। इसके अलावा, पता चला है कि वह एक मेडिकल काउंसलिंग एजेंसी भी चलाता है।

मंत्रियों की यात्राओं पर लगाम अफसरों को दिए गए निर्देश

ईंधन बचाने के लिए बड़ी तैयारी में जुटी सरकार

पाबंदी

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। पीएम मोदी ने देश के लोगों से तेल बचाने की अपील की है। साथ ही वर्क फ्रॉम होम की भी अपील गई है। अब सरकार अपने मंत्रियों और अफसरों पर भी ऐसी ही पाबंदियां लागू करने जा रही है।

पीएम मोदी ने देश के लोगों से तेल बचाने की अपील की है। साथ ही वर्क फ्रॉम होम की भी अपील गई है। अब सरकार अपने मंत्रियों और अफसरों पर भी ऐसी ही पाबंदियां लागू करने जा रही है। सरकार की मंशा है कि शीर्ष स्तर पर इन उपायों को लागू करके लोगों के लिए उदाहरण सेट करना चाहती है। सरकार चाहती है कि वर्चुअल मीटिंग्स, पब्लिक ट्रांसपोर्ट के इस्तेमाल और वर्क फ्रॉम होम की व्यवस्था को बढ़ावा देने के लिए लोगों को प्रोत्साहित किया जाए। ईंधन सप्लाई और बढ़ते आयात शुल्क पर लगाम के लिए सरकार यह कदम उठा रही है।

» (शेष पेज 04 पर)

- मंत्रियों से मांगी गई है योजना
- विभिन्न विभाग भी इंतजाम में जुटे

सीएम योगी की कई विभागों के अफसरों के साथ अहम बैठक

ऑनलाइन क्लासेस और वर्क फ्रॉम होम पर मंथन

चर्चा

हेमन्त कृष्ण

तमसा संकेत, लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मंगलवार को अपने सरकारी आवास 5 कालिदास मार्ग पर वरिष्ठ अधिकारियों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक कर रहे हैं। इस बैठक में प्रदेश में ऑनलाइन क्लासेस और वर्क फ्रॉम होम जैसी व्यवस्थाओं को लेकर विस्तृत चर्चा की जा रही है। बताया जा रहा है कि प्रधानमंत्री की अपील के बाद राज्य सरकार संभावित परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए नई तैयारियों और व्यवस्थाओं पर गंभीरता से विचार कर रही है। बैठक में खास तौर पर ऑनलाइन शिक्षा प्रणाली को प्रभावी तरीके से लागू करने की रणनीति पर मंथन हो रहा है, ताकि जरूरत पड़ने पर छात्रों की पढ़ाई प्रभावित न हो।

» (शेष पेज 04 पर)

- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने की थी अपील
- चुनौतीपूर्ण दौर से गुजर रही है दुनिया
- पेट्रोल और डीजल की खपत को कम करने की अपील

सम्पादकीय

उचित अपील पर आपत्ति

प्रतिकूल परिस्थितियों में बचत का सुझाव देना अथवा किफायत बरतने की अपील करना कभी भी अनावश्यक नहीं हो सकता, लेकिन यह आश्चर्यजनक है कि विपक्ष को प्रधानमंत्री की इस सलाह पर आपत्ति है कि मौजूदा हालात में लोग पेट्रोलियम पदार्थों के उपयोग में संयम बरतें, वर्क फ्राम होम की संस्कृति अपनाएं, विदेश यात्रा से बचें, सोना न खरीदें और देश में ही विवाह समारोह आयोजित करें।

आखिर उन संसाधनों के उपयोग में किफायत क्यों नहीं बरती जानी चाहिए, जिनके आयात में विदेशी मुद्रा खर्च होती है? क्या यह किसी से छिपा है कि पश्चिम एशिया संकट के चलते भारत समेत अधिकांश देशों के आयात बिल बढ़ रहे हैं और इसका बुरा प्रभाव अर्थव्यवस्था पर पड़ रहा है? हर किसी को इससे परिचित होना चाहिए कि डालर के मुकाबले रुपया कमजोर होने से अर्थव्यवस्था को दोहरा नुकसान हो रहा है। यह नुकसान न बढ़ने पाए, इसके लिए प्रधानमंत्री ने देशवासियों को संसाधनों के संयमित उपयोग की जो सीख दी, वह सही समय पर दी गई एक उचित सलाह है। जब विपक्ष को इस पर आपत्तियां खड़ी करने के स्थान पर मौके की नजाकत समझनी चाहिए, तब वह ऐसी प्रतीति करा रहा है, जैसे प्रधानमंत्री लोगों को डरा रहे हैं या फिर अपनी असमर्थता बयान कर रहे हैं।

राहुल गांधी समेत जो विपक्षी नेता प्रधानमंत्री की सही सलाह को उनकी नाकामी बता रहे हैं, उन्हें इससे परिचित होना चाहिए कि गाढ़े वक्त में जनता से संसाधनों के उपयोग में संयम बरतने का आग्रह पहले भी अनेक बार किया जा चुका है? उन्हें इससे भी अवगत होना चाहिए कि अमेरिका और ईरान में टकराव के चलते होर्मुज समुद्री मार्ग बंद होने से जो ऊर्जा संकट उपजा है, उसके नतीजे में पड़ोसी देशों समेत अधिकांश देशों में पेट्रोल और डीजल के मूल्य बढ़ाने पड़े हैं। क्या यह उल्लेखनीय नहीं कि भारत में अभी तक ऐसा करने की नौबत नहीं आई है? इसकी भी अनदेखी न की जाए कि कहीं-कहीं गैस की थोड़ी किल्लत अवश्य देखने को मिल रही है, लेकिन पेट्रोल और डीजल की आपूर्ति में कहीं कोई बाधा इसके बाद भी देखने को नहीं मिली है कि भारत में पेट्रो उत्पादों की खपत विश्व में सबसे तेजी से बढ़ रही है। इससे यही पता चलता है कि तमाम चुनौतियों के बाद भी हमारी अर्थव्यवस्था मजबूत है। यह विचित्र है कि जनता को वस्तुस्थिति से अवगत कराने वाली प्रधानमंत्री की जिस अपील को औद्योगिक जगत सही मान रहा है, उसमें विपक्ष को खामी दिख रही है? इसे उसके दृष्टि दोष के अतिरिक्त और कुछ नहीं कहा जा सकता। विपक्ष को यह आभास होना चाहिए कि ऐसी अपील के केंद्र में आम लोगों के स्थान पर वे सक्षम लोग अधिक होते हैं, जो अपनी आर्थिक संपन्नता के चलते कई बार किफायत की चिंता नहीं करते?

मोदी के राष्ट्रहित के आह्वान में भी राजनीति क्यों?

> इसी प्रकार ईंधन के उपयोग में संयम भी समय की आवश्यकता है। भारत की ऊर्जा आवश्यकताओं का बड़ा हिस्सा आयातित तेल पर निर्भर है। खाड़ी देशों में युद्ध और अस्थिरता के कारण तेल की कीमतों में लगातार वृद्धि हो रही है। इसका सीधा प्रभाव पेट्रोल, डीजल, परिवहन, उद्योग और महंगाई पर पड़ता है।

> एक जिम्मेदार प्रधानमंत्री का कर्तव्य केवल संकट आने पर कदम उठाना नहीं होता, बल्कि संकट के संकेतों को पहचानकर समय रहते जनता को तैयार करना भी होता है।

आज पूरी दुनिया एक ऐसे दौर से गुजर रही है, जहां युद्ध, आर्थिक अस्थिरता, ऊर्जा संकट और वैश्विक बाजार की अनिश्चितताओं ने मानव सभ्यता को नई चुनौतियों के सामने खड़ा कर दिया है। खाड़ी देशों में लंबे समय से चल रहे संघर्ष और युद्ध की विभीषिका ने वैश्विक अर्थव्यवस्था को गहरे तक प्रभावित किया है। कच्चे तेल की कीमतों में लगातार वृद्धि, आपूर्ति श्रृंखलाओं का बाधित होना, डॉलर के मुकाबले विभिन्न देशों की मुद्राओं का कमजोर होना और अंतर-राष्ट्रीय व्यापार में उत्पन्न असंतुलन ने लगभग हर राष्ट्र की आर्थिक व्यवस्था को प्रभावित किया है। भारत भी इन परिस्थितियों से अछूता नहीं रह सकता। भारत अपनी ऊर्जा आवश्यकताओं का बड़ा हिस्सा आयात करता है और सोने का भी विश्व के सबसे बड़े उपभोक्ताओं में से एक है। ऐसी स्थिति में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा देशवासियों से ईंधन के संयमित उपयोग और सोने की खरीद को सीमित करने का आह्वान केवल एक आर्थिक सलाह नहीं, बल्कि राष्ट्रहित में किया गया दूरदर्शी चिंतन है। दुर्भाग्य यह है कि मोदी की मितव्ययिता की अपील पर पूरे देश को एकजुट होकर गंभीरता से विचार करना चाहिए था, उस विषय को भी राजनीतिक विवाद का हथियार बना दिया गया। कुछ विपक्षी दलों ने प्रधानमंत्री की इस अपील को जनता में भय फैलाने वाला कदम बताया, तो कुछ ने इसे सरकार की विफलताओं को छिपाने का प्रयास कहा। जबकि वस्तुतः यह अपील राष्ट्र को भविष्य की संभावित चुनौतियों के प्रति सचेत करने और समय रहते आत्मानुशासन अपनाने का संदेश है। यह राजनीति का विषय नहीं, बल्कि राष्ट्रीय जिम्मेदारी का प्रश्न है। जब विश्व के बड़े-बड़े राष्ट्र आर्थिक संकटों से जूझ रहे हों, तब भारत के प्रधानमंत्री यदि नागरिकों को संयम एवं मितव्ययिता का सूत्र देते हैं तो उसे राजनीतिक चश्मे से नहीं, बल्कि राष्ट्रीय दृष्टि से देखा जाना चाहिए। यह पहला अवसर नहीं है, जब प्रधानमंत्री ने देश की तरक्की को बनाए रखने की सामूहिक चिन्ता करते हुए मितव्ययिता एवं संयम की अपील की हो।

भारत की संस्कृति मूलतः संयम प्रधान रही है। भारतीय जीवन-दर्शन में संयम को केवल व्यक्तिगत गुण नहीं, बल्कि जीवन की सबसे बड़ी शक्ति माना गया है। हमारे ऋषियों, मुनियों और महापुरुषों ने सदैव आवश्यकता और विलासिता के बीच अंतर करना सिखाया। महावीर, बुद्ध, गांधी और विनोबा भावे जैसे महापुरुषों ने त्याग और संयम को ही मानवता की सबसे बड़ी शक्ति बताया। भारतीय संस्कृति कहती है कि जितना आवश्यक हो उतना ही उपभोग करो, क्योंकि असीमित उपभोग अंततः संकट को जन्म देता है। यही कारण है कि भारतीय सभ्यता हजारों वर्षों तक टिकाऊ और संतुलित बनी रही। आज जब पूरी दुनिया उपभोक्तावाद के दुष्परिणाम भुगत रही है, तब भारत की यही संयम आधारित संस्कृति समाधान का मार्ग दिखा सकती है। सोने के प्रति भारतीय समाज का आकर्षण ऐतिहासिक और सांस्कृतिक दोनों स्तरों पर गहरा रहा है। विवाह, पारिवारिक उत्सव, धार्मिक परंपराएं और सामाजिक प्रतिष्ठा में सोने का विशेष स्थान है। लेकिन यह भी एक कठोर सत्य है कि भारत का अधिकांश सोना आयातित होता है। हर वर्ष अरबों डॉलर का विदेशी मुद्रा भंडार सोने के आयात पर खर्च होता है। यह सोना उत्पादन या औद्योगिक विकास में उपयोग होने के बजाय घरों और लॉकरों में बंद होकर निष्क्रिय पड़ा रहता है। ऐसे समय में जब विदेशी मुद्रा भंडार पर दबाव बढ़ रहा हो और रुपये की कीमत लगातार गिर रही हो, तब सोने की खरीद में संयम बरतने की अपील आर्थिक दृष्टि से अत्यंत प्रासंगिक है। यह किसी की परंपराओं के विरोध में नहीं, बल्कि देश की आर्थिक मजबूती के पक्ष में उठाया गया कदम है।

यदि नागरिक ईंधन के अनावश्यक उपयोग को सीमित करें, सार्वजनिक परिवहन का अधिक उपयोग करें, ऊर्जा बचत को जीवनशैली का हिस्सा बनाएं, तो इससे न केवल देश की अर्थव्यवस्था को राहत मिलेगी, बल्कि पर्यावरण संरक्षण में भी मदद मिलेगी। संयम का अर्थ केवल त्याग नहीं होता, बल्कि दूरदर्शिता और जिम्मेदारी भी होता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अपील इसी जिम्मेदारी की भावना से प्रेरित प्रतीत होती है। उन्होंने किसी प्रकार की जबरदस्ती या प्रतिबंध की बात नहीं की, बल्कि नागरिकों से स्वैच्छिक सहयोग की अपेक्षा की। यह लोकतांत्रिक नेतृत्व की पहचान है। आज जब दुनिया के कई देशों में आर्थिक अस्थिरता के कारण भारी महंगाई, बेरोजगारी और सामाजिक तनाव देखने को मिल रहे हैं, तब भारत अपेक्षाकृत स्थिर स्थिति में है। यह केवल संयोग नहीं, बल्कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में पिछले वर्षों में अपनाई गई आर्थिक नीतियों, बुनियादी ढांचे के विस्तार, डिजिटल अर्थव्यवस्था, आत्मनिर्भर भारत अभियान और वैश्विक स्तर पर भारत की मजबूत स्थिति का परिणाम है। यह भी उल्लेखनीय है कि विश्वव्यापी संकटों के बावजूद भारत ने अपने नागरिकों पर

अत्यधिक आर्थिक बोझ नहीं पड़ने दिया। महामारी से लेकर युद्धजनित परिस्थितियों तक भारत सरकार ने लगातार राहत योजनाएं चलाईं, गरीबों को मुफ्त राशन उपलब्ध कराया, किसानों और मध्यम वर्ग को विभिन्न प्रकार की सहायता दी तथा अर्थव्यवस्था को स्थिर बनाए रखने के लिए अनेक कदम उठाए। वैश्विक मंदी और युद्ध के वातावरण में भी भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में शामिल बना हुआ है। यह प्रधानमंत्री मोदी के कुशल नेतृत्व और दूरदर्शिता का प्रमाण है। दुर्भाग्यपूर्ण यह है कि देशहित के ऐसे विषयों पर भी कुछ राजनीतिक दल संकीर्ण राजनीति से ऊपर नहीं उठ पा रहे। लोकतंत्र में आलोचना का अधिकार सभी को है, लेकिन हर विषय को राजनीतिक लाभ-हानि के तराजू में तौलना राष्ट्रहित के विरुद्ध है। यदि प्रधानमंत्री जनता से संयम की अपील करते हैं तो विपक्ष को चाहिए कि वह भी जनता को जागरूक करे, न कि भय और भ्रम का वातावरण बनाए। राजनीति तब तक स्वस्थ मानी जाती है जब तक वह राष्ट्रहित से जुड़ी रहे। लेकिन जब राजनीति केवल विरोध के लिए विरोध करने लगे और राष्ट्रीय संकटों को भी अवसर की तरह देखने लगे, तब वह लोकतंत्र को कमजोर करती है। आज आवश्यकता इस बात की है कि पूरा देश एक परिवार की तरह सोचते हुए राष्ट्रीय हित को सर्वोपरि माने। संकट के समय संयम, अनुशासन और सहयोग ही किसी भी राष्ट्र की सबसे बड़ी ताकत होते हैं। भारत ने इतिहास में अनेक बार यह सिद्ध किया है कि जब भी राष्ट्र पर संकट आया, भारतीय समाज ने अद्भुत त्याग और एकता का परिचय दिया। स्वतंत्रता आंदोलन से लेकर युद्धकाल तक, भारतीय जनता ने अपने निजी हितों से ऊपर उठकर राष्ट्रहित को महत्व दिया है। आज फिर वही समय है जब हमें समझना होगा कि अनावश्यक उपभोग, दिखावे की प्रवृत्ति और अंधाधुंध विलासिता अंततः देश की आर्थिक मजबूती को कमजोर करती है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अपील को इसी व्यापक संदर्भ में देखने की आवश्यकता है। यह केवल सोना न खरीदने या ईंधन बचाने का संदेश नहीं, बल्कि आत्मसंयम, आत्मअनुशासन और राष्ट्रीय जिम्मेदारी का संदेश है। भारतीय संस्कृति का मूल स्वर भी यही रहा है कि व्यक्ति अपने आचरण से समाज और राष्ट्र को मजबूत बनाए। यदि हम संयम को जीवन का हिस्सा बना लें तो अनेक आर्थिक, सामाजिक और पर्यावरणीय समस्याओं का समाधान स्वतः संभव हो सकता है। आज दुनिया जिस अनिश्चितता और संकट के दौर से गुजर रही है, उसमें भारत अपेक्षाकृत मजबूत स्थिति में खड़ा है।

■ ललित गर्ग

सब जीव समान हैं

ज्ञातअल्प,अज्ञात अनन्त है। ज्ञान सिन्धु का कहाँ अन्त है? वह जो समभावों में जीता है सही अर्थ मे वही संत है। ज्ञान , विनम्रता, बुद्धि, भीतर का साहस, अच्छे कर्म, सच बोलने की आदत और ईश्वर में सच्चा विश्वास आदि - आदि हमें किसी भी विपत्ति से बचाएगा। हमारे द्वारा केवल बाहरी स्वतंत्रता ही सच्ची आजादी नहीं है । सच्ची आजादी भीतरी भय से मुक्ति है । वह जब तक मन में किसी भी तरह का भय है तब तक आदमी निर्भय कैसे हो सकता है । वह जब तक मन भय से संचालित है तब तक उसका हर निर्णय भय की आशंका से आशंकित होगा। हम क्यों डरते हैं? हम डरते हैं क्योंकि हम अपने अस्तित्व को छोटा व सीमित समझते हैं। हमारा सारा भय इसी मिथ्याभ्रम पर टिका हुआ है। वह जिस दिन आदमी समझ लेता है उसका अस्तित्व तो शरीर, धन, सम्मान आदि से परे है तब फिर वह किस बात से डरे? रामकृष्ण परमहंस कहते थे- जब तक है मैं और मेरा , तब तक ही भय का डेरा है। मैं गया कि भय गया । हमारे किसी भी कार्य की सफलता के लिए केवल श्रम व साधन ही पर्याप्त नहीं है , बल्कि आवश्यक है उस काम के प्रति हमारा नजरिया यानि दृष्टिकोण सकारात्मकता सहित व्याप्त हो।हमारा दृष्टिकोण ऐसा हो जाए कि शत-प्रतिशत अपनी शक्ति उस काम को सफल करने में भावनात्मक व मानसिक रूप से लग जाए । वह सफलता की अलख तन में , मन में जग जाए । जीवन में परिस्थितियां सदा अनुकूल न भी हों परंतु कर्तव्य वही होता है जो सत्य, धर्म और न्याय की राह पर हो । और वे उसी डगर पर चल पड़े । हमारा सारा जीवन ऐसा हो कि सारा जीवन हर कदम पर यही संदेश दे कि महान वही होता है जो संकटों के बावजूद मर्यादा और संयम के पथ पर अडिग रहता है । बड़ा इंसान वो ही है जिसके अंदर करुणा हो, विनम्रता हो, नैतिकता हो आदि - आदि और वह किसी इंसान के मुसीबत में आशा की किरण हो। वह सब जीवों को अपने समान समझता हो । हमारे मन में यह जिज्ञासा हो सकती हैं कि सब जीव समान कैसे संभव हैं ? एक कुंथु हैं और एक हाथी हैं । कुंथु बहुत सूक्ष्म होता हैं । बरसात में बहुत छोटे- छोटे जीव उत्पन्न होते हैं । उनमें एक कुंथु होता हैं । कुंथु चींटी आदि ये सब छोटे जीव हैं।

> प्रदीप छाजेड़

विपक्ष इसे सरकार की ...

संजय सक्सेना

नीट परीक्षा रद्द, छात्र परेशान, सड़क पर संग्राम

तीन मई को संपन्न हुई नीट अंडर ग्रेजुएट परीक्षा पर एक बार फिर ग्रहण लग गया है। देशभर के लाखों छात्रों की उम्मीदों पर पानी फिर गया, जब नेशनल टेस्टिंग एजेंसी ने परीक्षा रद्द करने का ऐलान कर दिया। नीट परीक्षा में करीब 24 लाख परीक्षार्थी बैठे थे। पेपर लीक की खबरों ने पूरे सिस्टम को हिला दिया। राजस्थान से पेपर आउट होने की अफवाहें तेज हैं और विपक्ष ने इसे मोदी सरकार पर सीधा हमला बोल दिया। छात्र सड़कों पर उतर आए, आक्रोश की लहर दौड़ गई। सरकार ने आनन-फानन में नीट पेपर लीक मामले की जांच सीबीआई से कराने का आदेश दे दिया है, लेकिन सवाल यह है कि आखिर बार-बार ऐसा क्यों हो रहा है? शिक्षा माफिया की साजिशें कब थमेगी? यह कोई नई घटना नहीं। पिछले सालों में कई महत्वपूर्ण परीक्षाओं के पेपर लीक हो चुके हैं। इन घटनाओं ने न सिर्फ छात्रों का भविष्य दांव पर लगा दिया, बल्कि राजनीतिक घमासान भी खड़ा कर दिया। सवाल यह भी उठ रहा है कि क्या परीक्षा प्रणाली में सुधार की बातें बेईमानी साबित हो रही हैं? क्या सरकार भरोसा दिला सकती है कि दोबारा परीक्षा लीक नहीं होगी? बात नीट कांड की शुरुआत कैसे हुई, की जाए तो तीन मई को सुबह नौ बजे शुरू हुई परीक्षा के कुछ घंटों बाद ही सोशल मीडिया पर पेपर के सवाल वायरल हो गए। राजस्थान के सीकर और जयपुर इलाकों से लीक की पुष्टि हुई। तत्पश्चात, पुलिस अब तक आठ लोगों को गिरफ्तार भी कर चुकी है, जिनमें परीक्षा केंद्र के कुछ कर्मचारी और दलाल शामिल हैं। ये गिरफ्तारियां साजिश के एक बड़े नेटवर्क का पर्दाफाश कर रही हैं। छात्रों का कहना है कि बिहार, गुजरात और उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों में भी पेपर पहले से बिक रहा था। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी यानी एनटीए ने रद्दीकरण का फैसला लेते हुए नई तारीख जल्द घोषित करने का वादा किया है, लेकिन छात्रों का गुस्सा ठंडा होने का नाम नहीं ले रहा। दिल्ली, मुंबई और पटना में विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं। परिवार वाले चिंतित हैं कि दोबारा परीक्षा का बोझ कैसे झेलें। पिछले सालों के काले अध्याय याद आते हैं, जब परीक्षा प्रणाली पर सेंध लग चुकी थी। 2015 में वाइब्रेंट गुजरात के दौरान आयोजित जीएलओई परीक्षा

का पेपर लीक हुआ।

सैकड़ों उम्मीदवारों को फायदा पहुंचा। फिर 2021 में बिहार के बीपीएससी परीक्षा का मामला सामने आया, जहां पेपर सॉल्वर गिरोह ने हल्ला बोल दिया। 2022 में यूपीटीईटी का पेपर लीक हुआ, जिसके बाद परीक्षा रद्द करनी पड़ी। उत्तर प्रदेश सरकार ने जांच के आदेश दिए, लेकिन दोषियों को सजा मिलने में देरी हुई। इसी साल फरवरी में रोहिणी परीक्षा का पेपर भी लीक हो गया। बिहार में नीट पीजी का कांड तो सुर्खियों में रहा। सुप्रीम कोर्ट ने हस्तक्षेप कर परीक्षा स्थगित की। महाराष्ट्र में एमपीएससी का पेपर लीक होने से हड़कंप मच गया। ये घटनाएं बताती हैं कि शिक्षा माफिया का जाल कितना गहरा है। ये गिरोह परीक्षा केंद्रों के अंदरूनी लोगों से सेटिंग कर पेपर हासिल कर लेते हैं और अमीर छात्रों को बेच देते हैं। इन पेपर लीक मामलों पर राजनीति का खेल हमेशा चरम पर रहता है। विपक्ष इसे सरकार की नाकामी बताकर हमला बोलता है। इस बार नीट रद्दीकरण के बाद कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने ट्वीट कर कहा कि मोदी सरकार छात्रों के भविष्य से खिलवाड़ कर रही है। राहुल गांधी ने संसद में बहस की मांग की। आप के अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली में छात्रों का साथ देते हुए शिक्षा मंत्री पर सवाल उठाए। वहीं भाजपा ने इसे राज्य सरकारों की साजिश बताया, खासकर राजस्थान और बिहार में। 2022 के यूपीटीईटी कांड में सपा ने योगी सरकार को घेरा था, जबकि भाजपा ने विपक्षी राज्यों को जिम्मेदार ठहराया। बिहार में नीट पीजी लीक पर आरजेडी और जदयू ने नीतीश कुमार सरकार पर तीर चलाए। हर बार चुनावी मौसम में ये मामले राजनीतिक हथियार बन जाते हैं। पार्टियां वोट बैंक के लिए छात्र आंदोलनों का फायदा उठाती हैं, लेकिन स्थायी समाधान कोई नहीं देता। यह राजनीतिक नौटंकी छात्रों के दर्द को और बढ़ा देती है। वैसे, पेपर लीक कराने वालों के खिलाफ कार्रवाई का सिलसिला लंबा है, लेकिन नाकाफी। पुलिस अक्सर गिरफ्तारियां तो करती है, मगर सजा मिलना मुश्किल होता है। 2022 के यूपीटीईटी मामले में एसटीएफ ने 15 लोगों को पकड़ा, लेकिन अदालत में केस लंबा खिंच गया। बिहार में 2024 के बीपीएससी कांड में 20 से ज्यादा गिरफ्तारियां हुईं, कई को जमानत मिल गई। राजस्थान पुलिस ने नीट मामले में अब तक आठ को हिरासत में लिया, लेकिन मास्टरमाइंड फरार हैं। कानून में सख्त प्रावधान हैं। पब्लिक एग्जामिनेशन अथॉरिटी एक्ट 2024 के तहत पेपर लीक पर दस साल की सजा और जुर्माना है। फिर भी अमल कमजोर है। सॉल्वर गिरोहों पर नकेल कसने के लिए विशेष अदालतें बनाई गईं, लेकिन भ्रष्टाचार की जड़ें गहरी हैं।

वामपंथी...

डॉ शैलेश शुक्ला

'विचार-विक्रय, वफ़ादारी-विसर्जन और सत्ता - सुगंध का बंगाली संग्राम'

पश्चिम बंगाल की राजनीति इन दिनों किसी विचारधारा का अखाड़ा कम और "राजनीतिक रियलिटी शो" ज्यादा लगने लगी है। फर्क बस इतना है कि यहाँ वोट जनता डालती है, लेकिन "वोटों की हवा" देखकर नेता अपनी विचारधारा बदलते हैं। कल तक जो नेता लाल झंडा उठाकर पूँजीवाद को देश का सबसे बड़ा दुश्मन बताते थे, आज वही भगवा गमछा डालकर "राष्ट्रवाद" का ऑनलाइन कोर्स पढ़ा रहे हैं। और जो कल तक टीएमसी की रैलियों में "दीदी ओ दीदी" के विरोध पर नाराज़ होते थे, आज वही भाजपा कार्यालय के बाहर लाइन लगाकर कह रहे हैं — "हम तो शुरू से ही राष्ट्रवादी थे, बस परिस्थितियाँ प्रतिकूल थीं!"

पश्चिम बंगाल में जैसे ही यह खबर फैली कि भाजपा की स्थिति मजबूत हो रही है और सुवेंदु अधिकारी मुख्यमंत्री पद के सबसे बड़े दावेदार माने जा रहे हैं, वैसे ही राजनीतिक मौसम विभाग ने "विचारधारा परिवर्तन" का ऑरेंज अलर्ट जारी कर दिया। नेताओं के घरों में पुराने झंडों की धुलाई शुरू हो गई। कुछ ने तो एहतियातन अपने घरों में हर रंग के झंडे रख लिए — लाल, हरा और भगवा। ताकि सत्ता का रिजल्ट आते ही सिर्फ झंडा बदलना पड़े, दीवारों का पेंट नहीं।

वामपंथी नेताओं की हालत सबसे दिलचस्प है। जिनकी पूरी जिंदगी "संघवाद" और "भगवाकरण" को लोकतंत्र का खतरा बताने में बीती, वे अब भाजपा के मंच से "भारत माता की जय" बोलते हुए इतने भावुक हो जाते हैं कि पुराने साथी टीवी पर देखकर चाय गिरा देते हैं। कल तक जो मार्क्स और लेनिन के उद्धरण सुनाते थे, आज वे व्हाट्सएप यूनिवर्सिटी से राष्ट्रवाद पर पीएचडी कर रहे हैं। ऐसा लगता है कि विचारधारा अब पुस्तकालय की चीज हो गई है और सत्ता ही असली धर्म बन चुकी है। टीएमसी के कई नेता भी कम अद्भुत नहीं हैं। कल तक वे भाजपा को "बाहरी पार्टी" बताते थे, लेकिन अब वही नेता दिल्ली जाकर भाजपा

कार्यालय में ऐसे मुस्कुराते हुए फोटो खिंचवा रहे हैं जैसे बरसों से खोया परिवार मिल गया हो।

एक नेता ने तो इतना भावुक होकर पार्टी बदली कि पुराने भाषण डिलीट करने के लिए पूरी सोशल मीडिया टीम लगानी पड़ी क्योंकि तीन महीने पहले तक वे जिस पार्टी को लोकतंत्र का खतरा बता रहे थे, आज उसी पार्टी को "राष्ट्र निर्माण की अंतिम आशा" कह रहे हैं। सबसे मजेदार स्थिति कार्यकर्ताओं की है। बेचारे कार्यकर्ता इतने भ्रमित हैं कि उन्हें अब यह समझ नहीं आता कि गाली किसे दें और जयकारा किसका लगाएँ। मोहल्ले के एक कार्यकर्ता ने तो एहतियातन अपने स्कूटर पर दोनों पार्टियों के स्टिकर लगा रखे हैं। पूछने पर बोला — "भैया, राजनीति में स्थायी कुछ नहीं होता, बस कुर्सी स्थायी होती है।"राजनीति अब विचारों का संघर्ष नहीं रही, बल्कि "करियर मैनेजमेंट" बन चुकी है। पहले लोग नौकरी बदलते थे, अब विचारधारा बदलते हैं। पहले रिज्यूमे में अनुभव लिखा जाता था, अब "कितनी पार्टियाँ बदलीं" यह राजनीतिक अनुभव माना जाता है। बंगाल के कुछ नेता तो इतने अनुभवी हो चुके हैं कि वे हर विचारधारा में खुद को सहज महसूस करते हैं। सुबह सेक्युलर, दोपहर में समाजवादी, शाम को राष्ट्रवादी और रात को अवसरवादी — सब कुछ एक ही दिन में।

जरा हटके

ईरान ने पाकिस्तान...

संजय सिन्हा

अमेरिका पर ईरान का तीखा हमला

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप ने ईरान के शांति प्रस्ताव को पूरी तरह से नकार दिया है जिसके बाद पूरी दुनिया में एक बार फिर तनाव बढ़ गया है। अमेरिकी प्रस्ताव के जवाब में ईरान ने युद्ध खत्म करने, अमेरिकी नौसैनिक नाकेबंदी हटाने, प्रतिबंध खत्म करने और होर्मुज जलड-मरूमध्य पर अपनी संप्रभुता की मांग रखी थी लेकिन ट्रंप ने इंटरनेट मीडिया पोस्ट में साफ शब्दों में कह दिया कि उन्हें यह प्रस्ताव मंजूर नहीं है।ट्रंप की इस प्रतिक्रिया के बाद तेल बाजार में हलचल मच गई। कच्चे तेल की कीमतों में करीब तीन प्रतिशत उछाल आ गया। सबसे बड़ी चिंता होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर है, जहां अब भी जहाजों की आवाजाही लगभग ठप बनी हुई है। युद्ध शुरू होने से पहले दुनिया के करीब पांचवें हिस्से का तेल और एलएनजी इसी रास्ते से गुजरता था। ईरान ने दयालु और जिम्मेदार प्रस्ताव के साथ युद्ध को समाप्त करने के लिए अमेरिका के नवीनतम प्रस्ताव का जवाब दिया कि हम अमेरिका से किसी भी रियायत की मांग नहीं करते हैं बल्कि ईरानी जहाजों पर युद्ध और डकैती को रोकने का आह्वान करते हैं। ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बकाई ने 11 मई को ये कहा। अमेरिका के साथ मध्यस्थता में कतर की भूमिका के बारे में रिपोर्ट का जवाब देते हुए, बकई ने कहा कि ईरान तनाव के चल रहे संबंधों के संबंध में विभिन्न देशों के साथ संवाद करता रहा है, पाकिस्तान ने आधिकारिक मध्यस्थ के रूप में अपनी भूमिका निभाई है।पाकिस्तान, ईरान और अमेरिका के बीच एक आधिकारिक मध्यस्थ के रूप में, इस मामले में अपनी गतिविधियों को जारी रखता है।उन्होंने कहा, साथ ही कतर सहित अन्य देशों ने भी इस प्रक्रिया में अपने विचार व्यक्त किए। बकई ने कहा कि राजनयिक प्रक्रिया के अपने नियम हैं और इसमें शामिल पक्षों को अपनी-अपनी राष्ट्रीय हितों के आधार पर कार्य करना चाहिए। उन्होंने जोर दिया कि ईरान "जब भी आवश्यक हो" लड़ेंगे और जब भी उचित हो, राजनीतिक अवसरों का लाभ उठाएंगे। ईरान ने पाकिस्तान के मध्यस्थ को युद्ध समाप्त करने के लिए अमेरिका के नवीनतम प्रस्ताव पर प्रतिक्रिया दी। 28 फरवरी को अमेरिका और इज़राइल द्वारा ईरान पर हमले करने

के बाद से मध्य पूर्व में तनाव बढ़ गया, जिसने बाद में इज़राइल और खाड़ी क्षेत्र में अमेरिकी सहयोगियों पर जवाबी हमले किए और होर्मुज़ जलडमरूमध्य को बंद कर दिया।संघर्ष विराम 8 अप्रैल को पाकिस्तान के मध्यस्थता के माध्यम से लागू हुआ, लेकिन इस्लामाबाद में बातचीत एक स्थायी समझौते का उत्पादन करने में विफल रही।संघर्ष विराम को बाद में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा असीमित समय के लिए बढ़ाया गया, जबकि एक स्थायी समाधान खोजने के लिए राजनयिक प्रयास जारी थे। ईरान ने "दयालु और जिम्मेदार" प्रस्ताव के साथ युद्ध को समाप्त करने के लिए अमेरिका के नवीनतम प्रस्ताव का जवाब दिया। उसने कहा,हम अमेरिका से किसी भी रियायत की मांग नहीं करते हैं, बल्कि ईरानी जहाजों पर युद्ध और डकैती को रोकने का आह्वान करते हैं," ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बकाई ने 11 मई को ये कहा। अमेरिका के साथ मध्यस्थता में कतर की भूमिका के बारे में रिपोर्ट का जवाब देते हुए, बकई ने कहा कि ईरान तनाव के चल रहे संबंधों के संबंध में विभिन्न देशों के साथ संवाद करता रहा है।

जोड़-तोड़कर सरकार बनाने की रणनीति

भारतीय जनता पार्टी ने साल 2014 में पहली बार पूर्ण बहुमत के साथ सत्ता हासिल की, तब से विपक्षी सांसदों और विधायकों द्वारा पार्टी की निष्ठा बदलकर भाजपा में शामिल होने के कई उदाहरण सामने आए हैं। राघव चड्ढा के नेतृत्व में आम आदमी पार्टी के सात राज्यसभा सांसदों का हाल ही में भाजपा में शामिल होना इसी का एक उदाहरण है।

मार्च 2020 में मध्य प्रदेश में कमल नाथ की सरकार गिराने के लिए 22 कांग्रेस विधायकों ने इस्तीफा दे दिया। कुछ मामलों में नेता सीधे भाजपा में शामिल नहीं होते, लेकिन उसकी मदद करते हैं। जैसे 2020 में मणिपुर में, आठ कांग्रेस विधायकों ने अपनी पार्टी के आदेश (व्हिप) को नहीं माना और विश्वास मत के दौरान वोटिंग से दूर रहे, जिससे भाजपा सरकार बच गई। इसके अलावा, कई बार नेता सीधे भाजपा में भी शामिल हो जाते हैं। आम आदमी पार्टी के सात बागी सांसदों ने एक ऐसी विधि का इस्तेमाल किया है जिसका इस्तेमाल अतीत में कई बार किया जा चुका है – दलबदल विरोधी कानून के तहत अयोग्यता से बचने के लिए सदन में पार्टी के दो-तिहाई से अधिक सदस्यों को तोड़ना और पीठासीन अधिकारी के फैसले के अधीन भाजपा के साथ विलय का दावा करना। आम आदमी पार्टी के सांसदों का दल-बदल पार्टी प्रमुख अरविंद केजरीवाल के लिए एक बड़ा झटका रहा है , जिससे यह संदेश जाता है कि पार्टी पर उनका नियंत्रण नहीं है। भाजपा ने केजरीवाल के मुख्यमंत्री रहते हुए उनके मुख्यमंत्री आवास की योजना को फिर से उठाया है और इस तरह उनके खिलाफ अपने शीश महल विवाद को फिर से हवा देने की कोशिश की है।आम आदमी पार्टी के संकट से पहले भी विपक्षी दलों ने भाजपा पर बार-बार आरोप लगाया है कि वह उनकी पार्टियों को विभाजित करने और अलग हुए गुटों के साथ गठबंधन सरकार बनाने के लिए एक के बाद एक राज्यों में ऑपरेशन लोटस चला रही है। विपक्षी विधायकों द्वारा भाजपा में विलय करके सरकार बनाने में मदद करने के कई मामले भी सामने आए हैं। 2023 में अजीत पवार ने एनसीपी को विभाजित कर दिया। इसमें पार्टी के ज्यादातर विधायकों और नेताओं ने उनका समर्थन किया। एनसीपी ने तब एक बयान जारी कर कहा था, "30 जून, 2023 को एनसीपी के विधायी और संगठनात्मक दोनों विंग के सदस्यों के भारी बहुमत से हस्ताक्षरित एक प्रस्ताव पारित किया गया, जिसके तहत अजीत अनंतराव पवार को एनसीपी का अध्यक्ष चुना गया। एनसीपी ने अजीत पवार को महाराष्ट्र विधानसभा में एनसीपी विधायक दल का नेता नियुक्त करने का भी निर्णय लिया और इस निर्णय को एनसीपी विधायकों के भारी बहुमत से पारित प्रस्ताव द्वारा अनुमोदित किया गया।"इसके बाद, दिवंगत अजीत पवार ने चुनाव आयोग को पत्र लिखकर अपने गुट को असली एनसीपी के रूप में मान्यता देने की मांग की, साथ ही उन्होंने शिवसेना नेता एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार में उपमुख्यमंत्री के रूप में कार्यभार संभाला। 2022 में शिंदे ने उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना को विभाजित कर दिया और उसके 55 विधायकों में से 40 और 19 सांसदों में से 12 को अपने साथ भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए में ले गए। इन दोनों ही मामलों में, चुनाव आयोग ने अलग हुए गुटों को मूल पार्टी चिन्ह दिया और शिंदे सेना और अजीत एनसीपी दोनों को असली पार्टी के रूप में मान्यता दी। शिंदे का उद्देश्य उद्धव सेना को विभाजित करके भाजपा के समर्थन से मुख्यमंत्री बनना था।

अशोक भाटिया

स्वागत के लिए हाथी, शहनाई की धुन में हुई क्रिकेटर्स की एंट्री, नन्हे फैन से मिले सूर्यवंशी

जयपुर- पूर्व राजपरिवार ने किया राजस्थान रॉयल्स का ग्रैंड वेलकम

आयोजन

जयपुर, एजेंसी

राजस्थान रॉयल्स की टीम सोमवार (11 मई) को जयपुर के पूर्व राजपरिवार की मेहमान थी। टीम के लिए सिटी पैलेस में मौजूद 'द सर्वतो' रेस्टोरेंट में रॉयल डिनर का आयोजन किया गया था।

क्रिकेटर्स का राजसी परंपराओं के साथ रॉयल फैमिली के मेंबर्स पद्मनाभ सिंह और गौरवी कुमारी ने वेलकम किया। टीम के सिटी पैलेस में एंट्री लेते ही फूल बरसाए गए।

राजस्थानी म्यूजिक पर वेलकम डांस करते आर्टिस्ट और शहनाई की धुन के बीच खिलाड़ियों के स्वागत के लिए सजे-संवरे हाथी भी थे।

करीब 2 घंटे तक टीम रेस्टोरेंट में मौजूद रही। सिटी पैलेस से निकलने के दौरान टीम के युवा स्टार वैभव सूर्यवंशी अपनी एक नन्हीं फैन से भी मिले।

राजस्थान रॉयल्स की टीम रात करीब 8 सिटी पैलेस पहुंचे थे। वे रात करीब 10 सिटी पैलेस निकले।

द सर्वतो रेस्टोरेंट से देखा आमेर

सिटी पैलेस में मौजूद इस आलीशान रेस्टोरेंट से जयपुर के कई बेहद खूबसूरत लैंडमार्क नजर आते हैं। इनमें एक है आमेर फोर्ट। राजस्थान रॉयल्स के कई खिलाड़ी रेस्टोरेंट से आमेर के व्यू को भी एंजॉय करते नजर आए। खिलाड़ियों ने सिटी पैलेस, आमेर, जयपुर के हेरिटेज से जुड़े दूसरे लैंडमार्क को लेकर भी स्टाफ से बातचीत की।

जयपुर में इस सीजन का अखिरी मैच 19 मई को

राजस्थान रॉयल्स इस सीजन में जयपुर में अब तक एक भी मैच नहीं जीती है। जयपुर में राजस्थान रॉयल्स अपना आखिरी मैच 19 मई को लखनऊ सुपर जाइंट्स से खेलेगी। आरआर फ्रेंचाइजी हाल ही में अपने नए मालिक को लेकर भी चर्चा में रही है। स्टील किंग लक्ष्मी निवास मित्तल ने फ्रेंचाइजी को 15 हजार करोड़ से ज्यादा में खरीदा है।

सजे-धजे हाथियों को भी खिलाड़ियों के स्वागत के लिए लाया गया था। कई विदेशी खिलाड़ियों के लिए ये चौंकाने वाला एक्सपीरियंस था।

टीम के कोच संगाकारा और सभी खिलाड़ियों पर फूल भी बरसाए गए थे।

वेलकम सेरेमनी में हाथियों के साथ, घोड़े, कालबेलिया डांसर्स भी थे। खिलाड़ियों ने उनके साथ फोटो भी क्लिक करवाई।

रॉयल डिनर के बाद बाहर निकले खिलाड़ियों को देखने के लिए काफी भीड़ जमा हो गइ थी। इस दौरान वैभव सूर्यवंशी अपनी एक नन्हीं फैन से हाथ मिलाने के लिए पहुंचे।

बीसीसीआई से विवाद नहीं : तमीम इकबाल

ढाका, एजेंसी

बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (BCB) के अंतरिम अध्यक्ष और पूर्व कप्तान तमीम इकबाल ने टी-20 वर्ल्ड कप 2026 से हटने के फैसले को एक बड़ी प्रशासनिक चूक बताया है। इंडियन एक्सप्रेस को दिए इंटरव्यू में तमीम ने कहा कि पिछली सरकार और बोर्ड ने जिस तरह से इस मुद्दे को संभाला, वह सही नहीं था।

37 साल के पूर्व ओपनर इकबाल ने कहा कि BCCI और भारत के साथ अब उनके कोई मतभेद नहीं हैं और वे द्विपक्षीय संबंधों को फिर से पटरी पर लाने के लिए उत्सुक हैं। उन्होंने BCCI के प्रेसिडेंट मिथुन मन्हास को अपना पुराना दोस्त बताया। उन्होंने कहा-

'मैंने मिथुन के साथ बहुत क्रिकेट खेला है। IPL में हम एक ही टीम में थे और वे ढाका लीग खेलने कई बार बांग्लादेश आए हैं। हमारे बीच बहुत अच्छा तालमेल है।'

तमीम ने वर्ल्ड कप से नाम वापस लेने के फैसले पर कड़ी नाराजगी जताई। उन्होंने कहा, "हमने 1996-97 में वर्ल्ड कप क्वालीफाई करने के लिए कितना संघर्ष किया था, मुझे आज भी याद है। बिना किसी ठोस बातचीत के वर्ल्ड कप जैसे बड़े टूर्नामेंट से नाम वापस लेना गलत था। टीम में ऐसे कई खिलाड़ी होंगे जो शायद अब दोबारा कभी वर्ल्ड कप न खेल पाएं। सुरक्षा को लेकर कोई वास्तविक खतरा नहीं था, भारत में हमारे खिलाड़ियों का हमेशा स्वागत होता है।

कहा- वर्ल्ड कप छोड़ना खिलाड़ियों के साथ अन्याय, मन्हास से पुरानी दोस्ती

करिश्मा के बच्चों के पक्ष में हुई सुनवाई के बाद मां ने दायर करवाई याचिका

संजय कपूर प्रॉपर्टी विवाद केस: बोर्ड मीटिंग पर रोक लगाने की मांग

नई दिल्ली, एजेंसी

करिश्मा कपूर के पूर्व पति और इंडस्ट्रियलिस्ट संजय कपूर का प्रॉपर्टी विवाद कम होने का नाम ही नहीं ले रहा है। जून 2025 में हुए संजय कपूर के निधन के बाद करिश्मा कपूर के बच्चों कियान और समायरा ने सौतेली मां प्रिया कपूर पर फर्जी वसीयत बनवाने के आरोप में शिकायत दर्ज करवाई थी। कोर्ट ने सुनावई के दौरान वसीयत पर शक होने पर प्रिया द्वारा संजय कपूर की प्रॉपर्टी बेचने पर रोक लगा दी थी। अब संजय कपूर की मां सीमा कपूर ने नई याचिका दायर कर कंपनी की बोर्ड मीटिंग रोके जाने की मांग की है। संजय की मां रानी कपूर ने सुप्रीम कोर्ट में नई याचिका दाखिल कर मांग की है कि प्रिया कपूर और कुछ अन्य लोग आरके फैमिली

ट्रस्ट के कामकाज में दखल न दें। याचिका के अनुसार, 18 मई को एक बोर्ड मीटिंग रखी गई है, जो 8 मई को जारी कोर्ट के नोटिस के बाद बुलाई गई थी। इस बोर्ड मीटिंग का लक्ष्य कंपनी का नया डायरेक्टर नियुक्त करना है। रानी कपूर ने याचिका में 18 मई के लिए शेड्यूल इस बोर्ड मीटिंग पर रोक लगाने की मांग करते हुए कहा है कि जब तक मध्यस्था की प्रोसेस पूरी नहीं होती, तब तक कोई ट्रस्ट के काम में दखल न दे।

रानी कपूर की याचिका पर सुनवाई करते हुए मुख्य न्यायधीश जे.बी.पर्दीवाला ने कहा, 'अब हम एक ऐसे विवाद में आ चुके हैं, जिसके सामने महाभारत भी अब छोटी लगेगी। हम इस मामले को देखेंगे।' रानी कपूर के केस को लिस्ट कर लिया गया है। केस की सुनवाई 14 मई गुरुवार को होगी। हाल ही में हुई मामले की सुनवाई में कोर्ट ने संजय कपूर की संपत्तियों को सुरक्षित रखने के लिए प्रिया कपूर पर इन्हें बेचने की रोक लगा दी है। करिश्मा कपूर के बच्चों कियान और समायरा ने कोर्ट में दावा किया है कि प्रिया सचदेवा ने उनके पिता की एक फर्जी वसीयत तैयार की है।

67 हजार करोड़ कमाने वाली फिल्म अब देगी टीवी पर दस्तक

नई दिल्ली। हॉलीवुड स्टार विन डीजल की ब्लॉकबस्टर फ्रेंचाइजी 'फास्ट एंड फ्यूरियस' (Fast & Furious) की अभी तक 11 फिल्में आ चुकी हैं। बॉक्स ऑफिस पर धमाका करने के बाद अब विन डीजल स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म 'पीकॉक' के साथ मिलकर 'फास्ट एंड फ्यूरियस' के यूनिवर्स को और भी बड़ा करने जा रहे हैं। उन्होंने सोमवार को न्यूयॉर्क में एनबीसी यूनिवर्सल के अपफ्रंट प्रेजेंटेशन में 'फास्ट एंड फ्यूरियस' की टीवी सीरीज लाने की आधिकारिक घोषणा की है। विन डीजल ने 'फास्ट एंड फ्यूरियस' को टीवी पर लाने की घोषणा फैंस की भारी डिमांड के बाद की है। डीजल ने बताया कि उनकी ऑडियंस फ्रेंचाइजी से और भी बहुत कुछ चाहती थी, जिसमें फिल्म से जुड़े पुराने किरदार और उनकी कुछ नई कहानियां शामिल हों। अभिनेता ने बताया कि उन्होंने इसे टीवी ऑडियंस के लिए एक्सपेंड करने की प्लानिंग तभी की, जब उन्हें यह यकीन हो गया कि फ्रेंचाइजी की मूल पहचान और गरिमा सुरक्षित रहेगी।

पति को सोशल मीडिया से किया अनफॉलो, तस्वीरें भी हटाईं, 2022 में गोवा में की थी शादी

तलाक की खबरों से सुर्खियों में मौनी रॉय

नई दिल्ली, एजेंसी

बॉलीवुड एक्ट्रेस मौनी रॉय तलाक की अफवाहों से चर्चा में हैं। इसी बीच मौनी रॉय ने सोशल मीडिया से पति को अनफॉलो कर तलाक की खबरों को और तेज कर दिया है। मौनी रॉय के तलाक की खबरें सोशल मीडिया से शुरू हुईं।

सामने आया कि कपल को लंबे समय से एक-दूसरे के साथ पब्लिकली स्पॉट नहीं किया गया है। इसी बीच मौनी रॉय की सोशल मीडिया फॉलोविंग और फॉलोवर्स लिस्ट देखने से सामने आया कि वो पति सूरज नांबियार को फॉलो ही नहीं कर रही हैं। ठीक इसी तरह उनके पति भी उन्हें फॉलो नहीं करते। हालांकि ये साफ नहीं है कि ये सिलसिला पहले से चला आ रहा है या कपल ने हाल ही में एक-दूसरे को अनफॉलो किया है। इसके अलावा मौनी का इंस्टाग्राम अकाउंट खंगालने से सामने आया है कि उन्होंने पति के साथ पोस्ट की हुईं सभी तस्वीरें हटा दी हैं। साल 2024 तक उनके अकाउंट में पति की कोई तस्वीर ही नहीं है।

साल 2025 में मौनी रॉय फिल्म भूतनी में नजर आई थीं। जल्द ही वो तमिल फिल्म विश्वंभरा में कैमियो करती दिखेंगी। इसके अलावा वो है जवानी तो इश्क होना है और द वाइव्स जैसी फिल्मों में नजर आने वाली हैं।

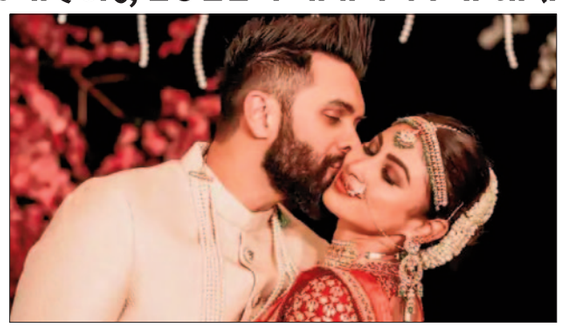

2022 में हुई थी मौनी-सूरज की शादी

मौनी रॉय ने 22 जनवरी 2022 में बिजनेसमैन सूरज नांबियार से गोवा में शादी की थी। ये शादी मलयाली रीति-रिवाजों से हुई। इसके बाद मौनी ने सोशल मीडिया पर पति के साथ वेकेशन की कई खूबसूरत तस्वीरें भी शेयर की थीं। सूरज नांबियार का इंस्टाग्राम खंगालने पर सामने आया कि वो सोशल मीडिया पर ज्यादा एक्टिव नहीं हैं। उन्होंने मौनी के साथ आखिरी पोस्ट 2024 में पोस्ट की थी, जिसके बाद उनके अकाउंट की आखिरी पोस्ट अप्रैल 2025 की है।

अल्लू अर्जुन की प्रॉपर्टी कहे जाने पर भड़कीं एक्ट्रेस

प्राइवेट जेट की फोटो पर आए कमेंट्स, फटकार लगाकर बोलीं- महिला किसी की प्रॉपर्टी नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी

साउथ एक्ट्रेस सीरत कपूर हाल ही में उन पर भद्दा कमेंट करने वाले एक शख्स पर भड़क गईं और फटकार लगा दी। दरअसल, 8 मार्च को साउथ सुपरस्टार अल्लू अर्जुन ने 44वां जन्मदिन मनाया है। इस मौके पर सीरत ने उनके साथ एक्टर के ही प्राइवेट जेट में बैठे हुए एक तस्वीर शेयर कर कैप्शन में उन्हें बर्थडे विश किया।

सीरत ने अल्लू को टैग भी किया था। प्राइवेट जेट की वो तस्वीरें सुर्खियों में रहीं थीं। अब हाल ही में सीरत ने अपनी सिंगल तस्वीर शेयर की, जिसमें वो बोल्ड लुक में दिखी हैं। जहां कई सोशल मीडिया यूजर्स तस्वीर की तारीफ कर रहे थे, वहीं एक शख्स ने लिखा, अल्लू अर्जुन की प्रॉपर्टी। इस भद्दे कमेंट के साथ उस शक्स ने एक इमोजी भी कमेंट किया, जिसमें आंखों में दिल बना हुआ

था। आमतौर पर सेलेब्स इस तरह के कमेंट नजरअंदाज करते हैं, लेकिन सीरत ने कमेंट पर भड़ककर जवाब देते हुए लिखा, सिर्फ कोई इमोजी जोड़ देने से बात सम्मानजनक नहीं हो जाती सर। कोई भी महिला किसी की प्रॉपर्टी नहीं होती। उसकी अपनी पहचान, अपने सपने और अपनी आवाज होती है। तारीफ कीजिए, लेकिन मालिकाना हक जताकर नहीं। भगवान आपका भला करे।" बता दें कि साउथ एक्ट्रेस सीरत कपूर अक्सर अन्य सेलेब्स के साथ तस्वीरें पोस्ट करती रहती हैं। बर्थडे के अलावा भी उन्होंने अल्लू अर्जुन के साथ कुछ तस्वीरें पोस्ट की थीं।

सीरत कपूर एक इंडियन एक्ट्रेस, कोरियोग्राफर और मॉडल हैं। उन्होंने 2014 की तेलुगु फिल्म रन राजा रन से एक्टिंग डेब्यू किया था। जिसेक बाद वो बॉलीवुड फिल्म जिद में नजर आई थीं। सीरत को 2023 की सीरीज सेव द टाइगर्स और 2024 की फिल्म भामाकल्पम 2 में देखा जा चुका है।

अमेरिका से बचाने के लिए एयरबेस पर रखा, पाक बोला- बातचीत के लिए आए थे

रिपोर्ट : पाकिस्तान ने ईरान के एयरक्राफ्ट छिपाने में मदद की

तालिबान के मुख्य प्रवक्ता जबीहुल्लाह मुजाहिद ने अफगानिस्तान में ईरानी विमानों की मौजूदगी से इनकार किया।

दावा

इस्लामाबाद, एजेंसी

पाकिस्तान ने अमेरिका-ईरान संघर्ष के दौरान ईरानी सैन्य विमानों को अपने एयरबेस पर जगह दी। यह दावा CBS न्यूज ने अपनी रिपोर्ट में किया है।

रिपोर्ट में अमेरिकी अधिकारियों के हवाले से बताया गया कि अप्रैल में सीजफायर के ऐलान के कुछ दिन बाद ईरान ने कई विमान पाकिस्तान एयरफोर्स के नूर खान एयरबेस भेजे।

रिपोर्ट में कहा गया है कि भेजे गए विमानों में ईरानी एयरफोर्स का RC-130 विमान भी शामिल था। यह लॉकहीड C-130 हरक्यूलिस ट्रांसपोर्ट एयरक्राफ्ट का खुफिया और निगरानी मिशन वाला वर्जन माना जाता है।

दूसरी तरफ पाकिस्तान ने भी माना है कि ये विमान उसके एयरबेस पर पहुंचे थे। विदेश मंत्रालय ने बयान जारी कर कहा, पाकिस्तान में मौजूद ईरानी विमान युद्धविराम के दौरान आए थे और उनका किसी सैन्य अभियान से कोई संबंध नहीं है।अमेरिका ने इस हफ्ते ईरान को 14 सूत्रीय प्रस्ताव भेजा था। इसके तहत ईरान को कम से कम 12 साल तक यूरेनियम संवर्धन रोकना होगा और अपने पास मौजूद करीब 440 किलो 60% एनरिच्ड यूरेनियम अमेरिका को सौंपना होगा। इसके बदले अमेरिका प्रतिबंधों में ढील देगा, ईरान की फ्रीज की गईं अरबों डॉलर की संपत्तियां छोड़ेगा, साथ ही ईरानी बंदरगाहों पर लगी नौसैनिक नाकेबंदी हटाएगा। रिपोर्ट्स के मुताबिक ईरान अपने परमाणु कार्यक्रम और हाईली एनरिच्ड यूरेनियम पर पूरी तरह समझौता करने को तैयार नहीं है।

ईरान और चीन को नाराज नहीं करना चाहता पाकिस्तान

पाकिस्तान एक तरफ खुद को अमेरिका के सामने मध्यस्थ और स्थिरता लाने वाले देश के रूप में पेश कर रहा है। वहीं दूसरी तरफ वह ईरान और चीन को नाराज करने से बचने की कोशिश कर रहा है।

रिपोर्ट में बताया गया कि पिछले दशक में पाकिस्तान की चीन पर सैन्य निर्भरता काफी बढ़ी है। स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट की एक स्टडी के मुताबिक 2020 से 2024 के बीच पाकिस्तान के 80% बड़े हथियार चीन ने सप्लाई किए। पाकिस्तान की मध्यस्थता में ईरान और अमेरिका के बीच 11-12 अप्रैल को इस्लामाबाद में पहले दौर की बातचीत हुई थी। 21 घंटे तक यह वार्ता चलने के बावजूद नाकाम हो गई थी। दोनों के बीच होर्मुज स्ट्रेट पर कंट्रोल और न्यूक्लियर प्रोग्राम को लेकर सहमति नहीं बन पाई थी।

दावा- ईरान ने कुछ प्लेन अफगानिस्तान भी भेजे

रिपोर्ट में दावा किया गया है कि ईरान ने कुछ नागरिक विमान अफगानिस्तान भी भेजे। एक अफगान सिविल एविएशन अधिकारी ने दावा किया कि माहान एयर का एक विमान युद्ध शुरू होने से पहले काबुल पहुंचा था। ईरानी एयरस्पेस बंद होने के बाद वह विमान काबुल एयरपोर्ट पर ही रुका रहा। मार्च में पाकिस्तान और तालिबान सरकार के बीच तनाव बढ़ने पर काबुल एयरपोर्ट पर हमले की आशंका बनी। इसके बाद तालिबान के सिविल एविएशन अधिकारियों ने माहान एयर के विमान को सुरक्षा कारणों से ईरान सीमा के पास हेरात एयरपोर्ट भेज दिया।

'कंटीले तारों से हमें डरा नहीं सकते'

सीएम सुवेंदु के आदेश पर बोला बांग्लादेश

नई दिल्ली, एजेंसी

बांग्लादेश के प्रधानमंत्री तारिक रहमान के विदेश मामलों के सलाहकार हुमायूं कबीर ने सोमवार को कहा कि बांग्लादेश को कांटेदार तारों से डराया नहीं जा सकता। यह बयान तब आया जब पश्चिम बंगाल में नई बीजेपी सरकार ने अपनी पहली कैबिनेट बैठक में बांग्लादेश के साथ सीमा पर बाड़ लगाने के लिए सीमा सुरक्षा बल को जमीन देने का फैसला किया।

बंगाल के मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि चुनावी बयानबाजी और असल शासन दो अलग-अलग मुद्दे हैं और बांग्लादेश यह देखना चाहता है कि क्या सुवेंदु सरकार शासन में भी चुनावी बयानबाजी का ही पालन कर रही है। उन्होंने कहा, बांग्लादेश के लोग कंटीले तारों से नहीं डरते... बांग्लादेश की सरकार भी नहीं डरती। जहां हमें बात करने की जरूरत होगी, हम बात करेंगे। यह बयान विदेश मंत्री खलीलुर रहमान की उस चेतावनी के कुछ दिनों बाद आया, जिसमें उन्होंने कहा था कि अगर बंगाल में सरकार बदलने के बाद पुश-बैक की घटनाएं यानी लोगों को जबरदस्ती बाहर निकालना होती हैं, तो ढाका कार्रवाई करेगा। हुमायूं ने कहा कि अगर भारत सरकार लोगों से लोगों के बीच संबंधों को मजबूत करना चाहती है तो उसे सीमा सुरक्षा से जुड़े मुद्दों को सुलझाने में ज्यादा मानवीय दृष्टिकोण अपनाना चाहिए।

उन्होंने यह भी कहा कि उनके (बांग्लादेश सरकार के) संबंध मुख्य रूप से (भारत की) केंद्र सरकार के साथ हैं। हुमांयूं ने कहा, "हम उनकी आंतरिक राजनीति में शामिल नहीं होना चाहते।" सीमा पर कथित "पुश-बैक" और हत्याओं के मामले पर हुमायूं ने कहा कि अगर सीमा पर लोगों की हत्याएं जारी रहीं तो बांग्लादेश चुप नहीं बैठेगा। गृह मंत्री सलाहुद्दीन अहमद ने कहा कि बंगाल में विधानसभा चुनावों के बाद बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश (BGB) को हाई अलर्ट पर रखा गया है और उन्होंने यह आश्वासन दिया कि यह बल सीमा घुसपैठ को रोकने के लिए पूरी तरह से तैयार है।

राजधानी के विकास को 169 करोड़ की डोज

चर्चा

नगर निगम के 15वें वित्त आयोग में कई प्रस्तावों पर मुहर, इंफ्रास्ट्रक्चर पर फोकस

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । लखनऊ नगर निगम ने शहर में आधारभूत सुविधाओं को मजबूत करने और सौंदर्यीकरण को बढ़ावा देने के लिए बड़े विकास कार्यों की तैयारी शुरू कर दी है। मंगलवार को स्मार्ट सिटी कार्यालय में महापौर सुषमा खर्कवाल की अध्यक्षता में हुई बैठक में अवस्थापना निधि और 15वें वित्त आयोग से मिलने वाली धनराशि से कराए जाने वाले विकास कार्यों पर विस्तार से चर्चा हुई।

बैठक में नगर आयुक्त गौरव कुमार, एडीएम एफआर राकेश कुमार सिंह, अपर नगर आयुक्त ललित कुमार, डॉ. अरविंद कुमार राव, सीएफओ महामिलिंद लाल, चीफ इंजीनियर महेश वर्मा, चीफ इंजीनियर मनोज प्रभात, जीएम जलकल कुलदीप सिंह सहित एलडीए, पीडब्ल्यूडी और नगर निगम के अधिकारी मौजूद रहे।

मेयर सुषमा खर्कवाल की अध्यक्षता में स्मार्ट सिटी ऑफिस में बैठक हुई।

बैठक में सड़क और नाली निर्माण के लिए 50 करोड़ रुपये खर्च करने का प्रस्ताव रखा गया। वहीं निगम विद्यालयों के निर्माण पर 20 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। इसके अलावा सामुदायिक केंद्र, कल्याण मंडप और उत्सव वाटिका के निर्माण एवं विकास के लिए भी 20 करोड़ रुपये प्रस्तावित किए गए हैं। नगर निगम ने लक्ष्मण पार्क, शहीद पार्क और अन्य थीम पार्कों के विकास के लिए 12 करोड़ रुपये खर्च करने की योजना बनाई है। इसके अलावा वेंडिंग जोन निर्माण पर 10 करोड़ रुपये और फ्लाईओवर के नीचे सौंदर्यीकरण, पार्किंग व स्पोर्ट्स एक्टिविटी विकसित करने के लिए भी 10 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। 15वें वित्त आयोग के तहत नगर निगम को वर्ष 2025-26 में वायु गुणवत्ता सुधार के लिए 8.62 करोड़ रुपये की धनराशि मिली है। इस राशि से रोड स्वीपिंग मशीनों के संचालन और एज-टू-एज सड़क निर्माण कार्य कराए जाएंगे, ताकि शहर में धूल और प्रदूषण को कम किया जा सके।

> नगर निगम ने जानकीपुरम सेक्टर-एफ में इंजीनियरिंग कॉलेज के पास लगभग 12 करोड़ रुपये की लागत से आधुनिक लाइब्रेरी बनाने का प्रस्ताव रखा है। यहां बच्चों, वरिष्ठ नागरिकों और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले छात्रों के लिए अलग-अलग सुविधाएं विकसित की जाएंगी। साथ ही बैंक और पब्लिक लाइब्रेरी की भी व्यवस्था होगी।

पेयजल और कूड़ा प्रबंधन को मिलेगी मजबूती

बैठक में पेयजल व्यवस्था सुधारने के लिए ओवरहेड वाटर टैंक के जीर्णोद्धार और 20 नए ट्यूबवेल लगाने की योजना पर चर्चा हुई। इस कार्य पर करीब 10 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। वहीं स्ट्रीट लाइट और विद्युतीकरण कार्यों के लिए 5 करोड़ रुपये तथा कूड़ा प्रबंधन और हार्टीकल्चर वेस्ट प्रोसेसिंग प्लांट के लिए 15 करोड़ रुपये प्रस्तावित किए गए हैं।

महापौर सुषमा खर्कवाल ने कहा कि नगर निगम का उद्देश्य लखनऊ को बेहतर आधारभूत सुविधाओं, स्वच्छ वातावरण और आधुनिक व्यवस्थाओं से युक्त शहर बनाना है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी विकास कार्य गुणवत्ता और तय समयसीमा में पूरे किए जाएं, ताकि शहरवासियों को जल्द लाभ मिल सके।

169 करोड़ की निधि से होंगे नए विकास कार्य

अधिकारियों ने बताया कि अवस्थापना निधि के तहत नगर निगम को कुल 169.39 करोड़ रुपये मिले हैं। पहले से स्वीकृत परियोजनाओं और अन्य आवश्यकताओं को समायोजित करने के बाद करीब 99.13 करोड़ रुपये नए विकास कार्यों के लिए उपलब्ध हैं। इस राशि से सड़क, नाला, पेयजल, पार्क, विद्यालय और अन्य जनसुविधाओं को बेहतर बनाया जाएगा।

टेंट-कैटरिंग कारोबारियों की मुश्किलें बढ़ीं

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ में शादी-विवाह के सीजन के बीच कॉमर्शियल गैस सिलेंडर के दामों में लगातार बढ़ोतरी ने टेंट, कैटरिंग और डेकोरेशन कारोबार से जुड़े व्यापारियों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। उत्तर प्रदेश टेंट कैटरर्स एंड डेकोरेटर वेलफेयर एसोसिएशन ने सरकार के खिलाफ 15 मई को पूरे प्रदेश में जिलाधिकारियों के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजने का ऐलान किया है।

सर्वोदय नगर स्थित विंध्यवासिनी होटल में आयोजित बैठक में व्यापारियों ने कहा कि सिर्फ 15 दिनों के भीतर कॉमर्शियल गैस सिलेंडर के दाम दो बार बढ़ाए गए। पहले करीब 350 रुपए और फिर लगभग 973 रुपए की बढ़ोतरी ने कारोबार का पूरा गणित बिगाड़ दिया है। बुकिंग पहले ली गई थीं, अब सहालग में दाम बढ़ने से गणित बिगड़ गया है। पढ़िए पूरी रिपोर्ट

बैठक में व्यापारियों ने कहा कि कॉमर्शियल सिलेंडर पर इतनी बड़ी बढ़ोतरी पहले कभी नहीं हुई। इसका सीधा

असर शादी-विवाह, भोज और सामाजिक आयोजनों पर पड़ रहा है। कारोबारियों का कहना है कि वे पहले से तय रेट पर बुकिंग लेते हैं, लेकिन अचानक बढ़ी लागत की वजह से अब भारी आर्थिक दबाव झेलना पड़ रहा है। एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष विजय कुमार ने कहा कि देश में जब भी कोई संकट आया, व्यापारी हमेशा सरकार के साथ खड़ा रहा। चाहे कोरोना काल हो या कोई और आपदा, व्यापारियों ने हर समय सहयोग किया। लेकिन अब व्यापारियों को भी सम्मान और राहत मिलनी चाहिए। प्रदेश उपाध्यक्ष शशिकांत शुक्ला ने कहा कि टेंट और कैटरिंग कारोबार सीधे सामाजिक आयोजनों से जुड़ा है।

फास्ट न्यूज

भंडारे में बांटा आम का पना

लखनऊ। लखनऊ में दूसरे बड़ा मंगल पर भंडारे में आम का पना बांटा गया। लंबी कतारों में लगकर लोग भंडारों के स्टॉल पर डटे रहे। कहीं पूड़ी के साथ छोला तो कहीं कद्दू की सब्जी बांटी गई। हर भंडारे में जो प्रसाद कॉमन रहा, वह है- बूंदी। एक अनुमान के मुताबिक शहर में 1000 हजार से ज्यादा छोटे-बड़े भंडारे हुए। नगर निगम में 300 लोगों ने भंडारे के लिए रजिस्ट्रेशन कराया था। पहले मंगल पर 348 भंडारों का रजिस्ट्रेशन था। प्लॉस्टिक का प्रयोग रोकने के लिए पंचतत्व संस्था की ओर से बड़े मंगल के भंडारों में लगभग 45 हजार हरे पत्तल और हनुमान चालीसा से अभिमंत्रित 5 हजार पौधों का वितरण किया गया। आज हनुमान मंदिरों में भोर से कतारें लगी हुई हैं।

लखनऊ में सिर पर फट्टा मारकर युवक की हत्या

लखनऊ। लखनऊ में एक युवक की हत्या कर दी गई। उसका शव मंगलवार सुबह पार्क में मिला। उसके सिर और चेहरे पर चोट के निशान हैं। पुलिस ने आरोपी को हिरासत में ले लिया है। भंडारे में प्रसाद खाने जाने को लेकर विवाद में हत्या हुई है। पुलिस ने आरोपी हिरासत में ले लिया है।

घटना बाजार खाला थाना क्षेत्र के अग्रसेन पार्क में हुई। इंस्पेक्टर बाजार खाला बृजेश सिंह ने बताया मृतक की पहचान पांडे का तालाब बगिया निवासी देवेंद्र कुमार (43) के रूप में हुई है। आरोपी पिंटू पुत्र रामदुलारे निवासी मोतीझील बाजारखाला को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई है। उसने हत्या करने की बात कबूल की है।

लखनऊ में युवती ने वीडियो बनाकर सुसाइड किया

लखनऊ। लखनऊ के गोमतीनगर विस्तार में एक युवती ने वीडियो बनाने के बाद फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना के वक्त उसने अपनी एक परिचित दोस्त को कॉल करके जानकारी दी। इसकी सूचना पर मौके पर पुलिस पहुंची लेकिन तब तक वह आत्महत्या कर चुकी थी। गोमतीनगर विस्तार थाना इंस्पेक्टर सुधीर अवस्थी ने बताया कि शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। मूल रूप से गोरखपुर की रहने वाली रतना सिंह (32) पुत्री सुधीर सिंह लखनऊ के गोमतीनगर विस्तार स्थित शालीमार विस्टा अपार्टमेंट में रहती थी। लखनऊ के सैलून में मैनेजर के पद पर काम कर रही थी।

चलती ट्रेन से व्यक्ति को नीचे फेंका बैग फेंका, फिर उसे दिया धक्का

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । लखनऊ में इंटरसिटी ट्रेन में सफर कर रहे एक व्यक्ति को सिरफिरे युवक ने चलती ट्रेन से नीचे फेंक दिया। घटना निगोहां थाना क्षेत्र के आसपास की है। सूचना मिलने के बाद जीआरपी की टीम रातभर करीब 6 किलोमीटर तक रेलवे ट्रैक पर व्यक्ति की तलाश करती रही। मंगलवार सुबह ट्रैक पर उनकी डेडबॉडी मिली।

मृतक की पहचान भदोही निवासी रामबिंद (55) के रूप में हुई। वह अपने साथी रमाकांत के साथ इंटरसिटी ट्रेन से भदोही से लखनऊ आ रहे थे। रात करीब 10 बजे ट्रेन में सफर के दौरान एक सिरफिरे युवक ने पहले उनका बैग फेंक दिया, इसके बाद उन्हें भी ट्रेन से नीचे फेंक दिया। मृतक के बेटे दीपक ने बताया कि रामबिंद शौचालय गए थे। करीब 20 मिनट तक वापस नहीं लौटे तो उनके साथी रमाकांत उन्हें तलाशने पहुंचे। काफी खोजबीन के बाद भी उनका पता नहीं चला। तब सफर कर रहे लोगों ने बताया कि एक सिरफिरे युवक ने किसी को फेंका है। उसके बाद उनकी खोजबीन शुरू की

गई। ट्रेन चारबाग पर रुकी तब मामले की जानकारी जीआरपी को दी गई। जीआरपी और निगोहां थाने की पुलिस ने संयुक्त जांच शुरू की। सुबह स्थानीय लोगों ने बेटे दीपक बिंद को फोन कर सूचना दी कि उनके पिता का शव निगोहां थाने के पास रेलवे क्रॉसिंग से कुछ दूरी पर पड़ा है। तब तक जीआरपी और स्थानीय पुलिस ने रेलवे ट्रैक पर तलाश अभियान चलाया। करीब 6 किलोमीटर तक सर्च ऑपरेशन चला, लेकिन तब तक गांववालों ने इसकी सूचना दी। रामबिंद भदोही में खेती-किसानी करते थे। परिवार में तीन बेटे रामदेव, लालन और दीपक, दो बेटियां हैं। जीआरपी इंस्पेक्टर धर्मवीर सिंह ने बताया कि धक्का देने वाले को युवक को गिरफ्तार कर लिया गया है।

प्रयागराज में मीडिया से बोले सपा प्रमुख, भाजपा पर साधा निशाना

भाजपा देश की अर्थव्यवस्था के लिए संकट : अखिलेश यादव

> अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा के बड़े नेताओं का करीबी झांसी में 100 करोड़ रुपये के घोटाले में पकड़ा गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार भ्रष्टाचार और गलत लोगों को संरक्षण देने में लगी हुई है।

12 साल सत्ता में रहने के बाद भी अर्थव्यवस्था पटरी से उतरी

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने भाजपा सरकार पर देश की अर्थव्यवस्था को बर्बाद करने का आरोप लगाया है। मंगलवार को प्रयागराज में मीडिया से बातचीत करते हुए उन्होंने कहा कि भाजपा देश की अर्थव्यवस्था के लिए सबसे बड़ा संकट बन चुकी है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री की अपील भाजपा के पतन का संकेत है और जो लोग लोकसभा चुनाव में हार चुके हैं, वे अपील में भी हारेंगे।

अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा लगातार 12 वर्षों से केंद्र की सत्ता में है,

लेकिन इसके बावजूद देश की अर्थव्यवस्था लड़खड़ा गई है। उन्होंने सवाल उठाया कि आखिर डॉलर क्यों नीचे जा रहा है और सरकार को जनता से अपील करने की जरूरत क्यों पड़ रही है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार केवल बड़े-बड़े दावे करती रही, जबकि महंगाई और बेरोजगारी चरम पर पहुंच चुकी है। किसान की आय दोगुनी करने का वादा भी पूरा नहीं हुआ।

महिला आरक्षण बिल को लेकर भाजपा पर लगाया झूठ बोलने का आरोप

सपा प्रमुख ने महिला आरक्षण बिल को लेकर भी भाजपा पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि वर्ष 2023 में संसद से पास होकर कानून बन चुके महिला आरक्षण बिल को लेकर भाजपा लगातार भ्रम फैला रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा महिलाओं को वास्तविक आरक्षण देना ही नहीं चाहती। अखिलेश यादव ने कहा कि जब सरकार को यह समझ आ गया कि परिसीमन बिल पास नहीं होगा, तब उसने महिला आरक्षण बिल का नोटिफिकेशन जारी किया। उन्होंने इसे भाजपा के पतन का प्रतीक बताया।

बंगाल हत्या मामले में भाजपा नेताओं पर उठाए सवाल

पश्चिम बंगाल में मुख्यमंत्री के निजी सचिव की हत्या के आरोपी को लेकर भी अखिलेश यादव ने भाजपा नेताओं पर सवाल खड़े किए। उन्होंने कहा कि आरोपी की तस्वीरें भाजपा के कई नेताओं के साथ सामने आई हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा से जुड़े लोग ही ऐसे घटिया कार्य कर सकते हैं। अखिलेश ने दावा किया कि आरोपी के समर्थन में कुछ लोग मुख्यमंत्री से मिलकर उसे निर्दोष बताने की सिफारिश कर रहे हैं।

गुवाहाटी एयरपोर्ट पर लगे जयश्री राम के नारे, शपथ ग्रहण में अनुप्रिया-राजभर भी शामिल हुए

सीएम योगी राजनाथ सिंह के साथ कामाख्या मंदिर पहुंचे

तमसा संकेत, एजेंसी

गुवाहाटी/लखनऊ । सीएम योगी असम में हिमंता बिस्वा सरमा के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल हुए। इसके बाद योगी और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह मां कामाख्या मंदिर पहुंचे। पूजा-अर्चना की। इससे पहले, मंगलवार सुबह गुवाहाटी हवाई अड्डे पर जय श्रीराम के नारों के साथ योगी का स्वागत किया गया। सीएम ने हाथ जोड़कर समर्थकों का अभिवादन स्वीकार किया। दोनों डिप्टी सीएम केशव मौर्य और ब्रजेश पाठक भी शपथ ग्रहण समारोह में शामिल हुए। मंच पर दोनों योगी के पीछे वाली लाइन बैठे नजर आए। उनके बगल में यूपी सरकार में मंत्री ओमप्रकाश राजभर और संजय निषाद बैठे थे। इस दौरान केंद्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल भी मौजूद रहीं। इससे पहले, ब्रजेश पाठक ने कहा-असम में तीसरी बार भाजपा सरकार बनने जा रही है।

सीएम योगी, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के साथ मां कामाख्या मंदिर पहुंचे। पूजा-अर्चना की।

असम लगातार देश के साथ कदमताल करते हुए आगे बढ़ रहा। पश्चिम बंगाल में आजादी के बाद पहली बार भाजपा ने सनातन संस्कृति की पताका फहराने का काम किया। पूरे देश में जिस ढंग से भाजपा आगे बढ़ रही है, उसी तरह असम और बंगाल विकसित भारत के संकल्प को पूरा करने के लिए आगे बढ़ेंगे। केशव मौर्य ने कहा- मुझे उम्मीद है कि 2027 में जब उत्तर प्रदेश में भाजपा की सरकार बनेगी तो पश्चिम बंगाल समेत असम के मुख्यमंत्री भी शपथ ग्रहण समारोह में हिस्सा लेंगे। वहीं, अनुप्रिया पटेल ने कहा- असम में भाजपा की हैट्रिक दिखाती है कि जिस तरीके से NDA सरकार ने शांतिपूर्ण वातावरण कायम किया, विकास का नया अध्याय लिखा, उसने जनता का भरोसा जीता है।

> हिमंता ने मंगलवार को दूसरी बार असम के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। उनके साथ 4 और विधायकों ने मंत्री पद की शपथ ली। समारोह में पीएम मोदी सहित कई एनडीए शासित राज्यों के सीएम और कई केंद्रीय मंत्री शामिल हुए। शपथग्रहण कार्यक्रम गुवाहाटी के खानापारा वेटरनरी कॉलेज ग्राउंड में हुआ।

योगी ने असम में 2 सीटों पर प्रचार किया, दोनों भाजपा जीती

सीएम योगी ने असम की दो सीटों पर चुनाव प्रचार किया था। इनमें से एक पर भाजपा और दूसरे पर सहयोगी असम गण परिषद के प्रत्याशी ने चुनाव जीता। यानी पूर्वोत्तर में योगी का स्ट्राइक रेट 100% रहा। ऐसे ही योगी ने बंगाल में 35 विधानसभा सीटों पर प्रचार किया था। इनमें 31 सीटों पर भाजपा को जीत मिली थी।

सुवेंदु अधिकारी के शपथ ग्रहण समारोह में भी शामिल हुए थे सीएम

इससे पहले, शनिवार को सीएम पश्चिम बंगाल में सुवेंदु अधिकारी के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल हुए थे। मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने के बाद सुवेंदु ने योगी को हाथ जोड़कर प्रणाम किया था। योगी ने उन्हें भगवा गमछा ओढ़ाया। इस दौरान कोलकाता का ब्रिगेड परेड ग्राउंड तालियों की गड़गड़ाहट और शोर से गूंज उठा था। 75 साल के एक्टर और भाजपा नेता मिथुन चक्रवर्ती ने भी मंच पर योगी के पैर छूकर आशीर्वाद लिया था।

सपा कार्यकत्रियों की पुलिस से तीखी नोकझोंक

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । लखनऊ में विधानसभा के सामने सपा कार्यकत्रियों ने जोरदार हंगामा किया। कार्यकत्रियों ने विधानसभा घेरने की कोशिश की। पुलिस ने रोका तो विधानसभा के मुख्य गेट स्थित चौधरी चरण सिंह की प्रतिमा के सामने जमीन पर लेट कर नारेबाजी करने लगीं।

प्रदर्शनकारी महिलाओं ने पीएम मोदी और सीएम योगी के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। प्रदर्शन कर रहीं महिलाओं के हाथ में पोस्टर था। जिस पर महिलाओं का मंगलसूत्र छीनने वाली सरकार नहीं चाहिए का स्लोगन लिखा था। इस दौरान उनकी पुलिस से जमकर नोकझोंक हुई। पुलिसकर्मियों ने उन्हें घसीटते हुए टांगकर गाड़ी में बैठाया। उसके बाद ईको गार्डन ले गई। इस दौरान महिला कार्यकत्री ने पुलिस पर पेट में लात मारने का आरोप लगाया। बापू भवन की तरफ से महिलाएं दौड़ते हुए विधानसभा पर पहुंचीं। कार्यकर्ताओं के पीछे पीछे पुलिस दौड़ रही थीं। प्रदर्शनकारियों को रोकने की कोशिश किया तो

> विधानसभा घेरने की कोशिश, बोलीं- पुलिस ने पेट में लात मारी

सड़क पर लेट गईं। इस दौरान पुलिस और महिलाओं के बीच में काफी देर तक नोकझोंक हुई। काफी संघर्ष के बाद पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को हिरासत में ले लिया और कार्यकर्ताओं को वहां से घसीटते हुए टांगकर उठा ले गई। प्रदर्शन कर रही महिला सभा की प्रदेश सचिव संजना पटेल ने कहा कि प्रधानमंत्री ने हमें सोना खरीदने से रोका है। यह पीएम मोदी की नाकामी है। यह सीधे तौर पर दर्शाता है कि प्रधानमंत्री और उनकी नीतियां पूरी तरीके से असफल हैं।

पृष्ठ 01 का शेष...

'सनातन धर्म को ...

जबकि परंपरा के मुताबिक इसे प्राथमिकता मिलनी चाहिए थी। उदयनिधि ने कहा- हम इसे बर्दाश्त नहीं करेंगे। तमिलनाडु में किसी भी सरकारी कार्यक्रम में तमिल थाई वाझथु को पहला स्थान मिलना चाहिए। दरअसल 10 मई को विजय के शपथ ग्रहण में सबसे पहले वंदे मातरम बजा। फिर जन गण मन बजा। इसके बाद तमिल राज्य गीत बजाया गया था। उदयनिधि स्टालिन ने 2 सितंबर 2023 को एक कार्यक्रम में सनातन धर्म के खिलाफ बयान दिया था। उदयनिधि ने कहा- सनातन धर्म मच्छर, डेंगू, फीवर, मलेरिया और कोरोना जैसा है, जिनका केवल विरोध नहीं किया जा सकता, बल्कि उन्हें खत्म करना जरूरी होता है। विवाद बढ़ने पर उदयनिधि ने कहा कि मैं हिंदू धर्म नहीं सनातन प्रथा के खिलाफ हूं। तमिलनाडु में पिछले 100 सालों से सनातन धर्म के खिलाफ आवाजें उठ रही हैं। हम अगले 200 सालों तक भी इसके खिलाफ बोलना जारी रखेंगे। अतीत में कई मौकों पर अंबेडकर, पेरियार भी इसके बारे में बोलते रहे हैं। सनातन धर्म के कड़े विरोध के कारण ही महिलाएं घर से बाहर निकल सकीं और सती जैसी सामाजिक कुरीतियां समाप्त हुईं। उन्होंने कहा- वास्तव में, DMK की स्थापना ही उन सिद्धांतों पर हुई थी जो ऐसी सामाजिक बुराइयों का विरोध करते हैं।

CM विजय ने तमिलनाडु में 717 शराब की दुकानें बंद करने का आदेश दिया: CM विजय ने मंगलवार को 717 शराब की दुकानें बंद करने का आदेश दिया है। अगले दो हफ्ते के अंदर पूजा स्थलों के पास की 276 दुकानें, शिक्षण संस्थानों के पास की 186 दुकानें और बस स्टैंड के पास की 255 दुकानें बंद कर दी जाएंगी।

महाराष्ट्र के सांगली ...

राजस्थान, गुजरात, महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश में हीटवेव जारी है। देश में सोमवार को राजस्थान का बाड़मेर सबसे गर्म रहा। यहां तापमान 47.3C दर्ज किया गया। जैसलमेर में 46.5C, फलोदी में 45.6C और बीकानेर में 45.3C तापमान रहा। मध्य प्रदेश के रतलाम में पारा 45C के पार रहा।

केंद्रीय मंत्री बंदी संजय ...

पुलिस के मुताबिक दोनों पिछले सात-आठ महीनों से संपर्क में थे। हालांकि भागीरथ ने आरोपों से इनकार किया है।

उन्होंने तेलंगाना के करीमनगर में हनी ट्रैप और उगाही की शिकायत दर्ज कराई है। मंत्री के PRO की ओर से जारी बयान में दावा किया गया कि एक महिला ने अपनी बेटी के जरिए भागीरथ को फंसाने की कोशिश की और बाद में बड़ी रकम मांगकर ब्लैकमेल किया। बयान में यह भी दावा किया गया कि महिला अपनी बेटी की उम्र गलत बता रही है। पुलिस का कहना है कि आरोपी फिलहाल फरार है और अपराध साबित होने पर उसे गिरफ्तार किया जाएगा। वहीं तेलंगाना की कांग्रेस सरकार ने कार्रवाई में देरी के आरोपों के बीच एक विशेष जांच दल (SIT) का गठन किया है।

मामले को लेकर DCP रितिराज ने कहा कि पुलिस कॉल डिटेल रिकॉर्ड (CDR) और अन्य तरीकों से आरोपी की जानकारी जुटा रही है। पीड़ित का बयान दर्ज कर लिया गया है। उसके आधार पर सभी बिंदुओं की जांच की जा रही है।

इस मामले को लेकर BRS नेता केटी रामा राव (KTR) ने तेलंगाना पुलिस की कार्रवाई पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि पीड़िता के साथ अन्याय हो रहा है और BJP की 'बेटी बचाओ' मुहिम पर सवाल उठाए। KTR ने मांग की कि केंद्रीय मंत्री बंदी संजय कुमार या तो इस्तीफा दें या उन्हें पद से हटाया जाए। KTR ने आरोप लगाया कि मंत्री के बेटे के खिलाफ कार्रवाई में देरी हुई और पूछा कि क्या कानून में उन्हें कोई विशेष छूट दी गई है।

अकबरपुर नगर ...

इससे शहर में निगरानी व्यवस्था और मजबूत होगी। इस योजना से शहर में चोरी, छिनैती और छेड़खानी जैसी घटनाओं पर अंकुश लगाने में मदद मिलेगी। साथ ही अतिक्रमण और सफाई व्यवस्था पर भी विशेष निगरानी रखी जाएगी। नगर क्षेत्र में दिन-रात निगरानी के लिए कैमरों का नेटवर्क तैयार किया जा रहा है, जिससे शहर की गतिविधियों पर लगातार नजर रखी जा सकेगी।

नीट का पेपर लीक...

राजस्थान के पूर्व सीएम अशोक गहलोत: NEET 2026 की परीक्षा रद्द हो गयी। 22 लाख से ज्यादा छात्रों की मेहनत, त्याग और सपनों को इस भ्रष्ट भाजपाई व्यवस्था ने कुचल दिया। प्रधानमंत्री का तथाकथित अमृतकाल, देश के लिए विषकाल बन गया है। ALLEN CEO नितिन कुकरेजा: NEET को भी JEE की तरह कंप्यूटर आधारित टेस्ट (CBT) में बदल देना चाहिए। पेन-एंड-पेपर मोड में पेपर लीक होने का खतरा ज्यादा रहता है। कंप्यूटर आधारित परीक्षा ज्यादा सुरक्षित और पारदर्शी होती है। फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया मेडिकल एसोसिएशन (FAIMA): देश की सबसे महत्वपूर्ण परीक्षाओं में से एक को आयोजित करने वाले सिस्टम में गंभीर खामियां हैं। मामले की समय पर जांच हो और जिम्मेदारी तय की जाए।

नेशनल एलिजिबिलिटी कम एंट्रेंस टेस्ट (NEET) भारत में मेडिकल और डेंटल कोर्सेज में दाखिले के लिए होने वाली राष्ट्रीय प्रवेश परीक्षा है। इसकी शुरुआत 2013 में हुई थी। इस परीक्षा के माध्यम से देश के सभी सरकारी और निजी मेडिकल कॉलेजों में MBBS, BDS, आयुष (BAMS, BHMS) और नर्सिंग जैसे कोर्सेज में दाखिला मिलता है, जिसमें AIIMS और JIPMER जैसे प्रतिष्ठित संस्थान भी शामिल हैं। अभी देश में लगभग 1 लाख से अधिक MBBS और 27000 से अधिक BDS सीटें हैं।

2024 में भी हुआ ...

हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने पूरी परीक्षा रद्द करने से इनकार कर दिया था और कुछ सेंटर पर 1539 कैंडिडेट्स की दोबारा परीक्षा हुई थी। पेपर लीक के आरोपों के अलावा, 67 छात्रों को 720/720 अंक मिलना और एक ही केंद्र से कई टॉपर्स का आना भी बड़े विवाद का कारण बना था।

राहुल बोले- पीएम...

मोदी जी और भाजपा आपके भविष्य की चोरी में साझेदार हैं। जिस बाजार में आपकी मेहनत, आपके सपने नीलाम हो रहे हैं, उसका एक ही उसूल है कि जितनी बड़ी चोरी, उतना बड़ा इनाम।

मंत्रियों की यात्राओं ...

इसके अलावा भव्य सरकारी आयोजनों पर भी लगाम की तैयारी है।

इस मामले में मंत्रियों से कहा गया है कि वह अपनी योजना बनाकर दें। न्यूज 18 के मुताबिक इसमें तेल की खपत कम करने पर जोर देने की बात कही गई है। मंत्रियों और वरिष्ठ अधिकारियों से कहा गया है कि वह गैर-जरूरी घरेलू और विदेशी यात्राओं पर तत्काल रोक लगाएं या इसे सीमित करें। सेमिनार और कांफ्रेंस को वीडियो कांफ्रेंस मोड पर ले जाने पर भी जोर दिया जा रहा है। नए कर्तव्य भवन कॉम्पलेक्स में काम कर रहे अधिकारियों से कहा जा रहा है कि वह मेट्रो या अन्य पब्लिक ट्रांसपोर्ट से यात्रा करें। इसके अलावा, विभिन्न विभाग वर्क फ्रॉम होम और अन्य हाइब्रिड इंतजाम में जुटे हैं ताकि ऑफिस आने-जाने के तेल का खर्च बचाया जा सके।

इसके अलावा, भव्य सरकारी आयोजनों पर भी लगाने की भी तैयारी चल रही है। ऐसा इसलिए किया जा रहा है ताकि बड़े पैमाने पर कुकिंग गैस के इस्तेमाल में कमी लाई जा सके। निजी क्षेत्रों और आम लोगों के लिए इस तरह के नियम बनाने से पहले, सरकार अपने स्तर पर इसे लागू करना चाहती है। सरकार कार-पूलिंग, वाहनों के अनावश्यक इस्तेमाल, निजी कंपनियों में रिमोट वर्क को बढ़ावा देने के बारे में भी चर्चा कर रही है। सरकारी सूत्रों के मुताबिक इन चीजों पर भी विचार किया जा रहा है कि बड़े पैमाने पर होने वाले आयोजनों और बड़ी शादियों के लिए सीमा तय की जाए।

हालांकि यह अभी सिर्फ विचार के स्तर पर है और हालात ज्यादा खराब होने पर इसे लागू करने की योजना है।

सीएम योगी की...

इसके अलावा विभिन्न विभागों के बीच समन्वय, प्रशासनिक तैयारियों और आवश्यक दिशा-निर्देशों को लेकर भी चर्चा की जा रही है। सूत्रों के अनुसार, अधिकारियों को संभावित परिस्थितियों से निपटने के लिए जरूरी निर्देश दिए जा सकते हैं। माना जा रहा है कि बैठक के बाद सरकार इस संबंध में कुछ अहम फैसलों की घोषणा कर सकती है।

तमसा संकेत
tamsa.newslko@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्या देवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ-226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित व प्रकाशित।

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकाशित लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं हैं।
मो0- 9415799533
R.N.I. NO. UPHIN/2021/83676